



सड़क पर पार्किंग होने से ट्रैफिक जाम

सुप्रीम कोर्ट ने रहवासी इलाकों में चल रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर निगम के हाथ खोले

15 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

चलाएं... हथौड़ा

हरिभूमि न्यूज ► नई दिल्ली/भोपाल

रिहायशी क्षेत्रों का व्यवसायिक उपयोग करने के मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण पर नगर निगम को कड़ी फटकार लगाते हुए बीते दिनों प्रदेश सरकार द्वारा 2 अगस्त 2026 को बनाई 10 सदस्यीय जांच समिति पर रोक लगाते हुए मप्र हाईकोर्ट द्वारा दिए गए दुकान संचालकों को राहत आदेश (स्टे ऑर्डर) समस्त आदेश निरस्त कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर चल रही जांच में किसी प्रकार का हस्तक्षेप मान्य नहीं है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार की अधिवक्ता को कड़ी फटकार लगाई। नगर निगम की तरफ से कहा गया कि वे कार्रवाई करना चाहते हैं पर उनके हाथ बांधे जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां और निर्देश दिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि नगर निगम एक वैधानिक निकाय है और उसके अधिकारों में राज्य सरकार अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वैधानिक प्रक्रिया में नोटिस, जवाब, निर्णयात्मक आदेश, अपील और जहां लागू हो पुनरीक्षण शामिल हैं।



10 नंबर में कमर्शियल भवन

► **निगम को कड़ी फटकार, प्रदेश सरकार द्वारा बनाई 10 सदस्यीय जांच समिति पर रोक**

► **मप्र हाईकोर्ट द्वारा दिए गए दुकान संचालकों को स्टे ऑर्डर के समस्त आदेश निरस्त**

► **तीन हफ्ते में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश**

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े याचिकाकर्ता

इस मामले में सुनवाई के दौरान भोपाल के याचिकाकर्ता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट में यह मुद्दा उठाया था कि नगर निगम ने

जिन प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी, उनमें अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई और बाद में कई सील प्रतिष्ठान दोबारा खुल गए।

निगम ने कहा- हमारे हाथ बांधे जा रहे, कोर्ट बोला- आप स्वतंत्र हैं

► **निगम की तरफ से कहा गया कि वे कार्रवाई करना चाहते हैं पर उनके हाथ बांधे जा रहे हैं**

► **अदालत ने कहा- निगम एक वैधानिक निकाय, उसके अधिकारों में राज्य सरकार अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकती**

निगम ने कोर्ट में झूठ बोला

बोले- नगर निगम ने अपनी झूठी रिपोर्ट दी, दो दुकान सील की थीं, कोर्ट में 100 सील करने की जानकारी दी

हम कार्रवाई करेंगे : संस्कृति जैन

निगम आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि नगर निगम नियमानुसार कार्रवाई करेगा। इसके अलावा उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।

कोर्ट ने कहा

कार्रवाई रोकना होगा सीधे अवमानना

भोपाल नगर निगम को वैधानिक निकाय बताते हुए कहा गया कि वह नगर निगम अधिनियम के तहत मिली शक्तियों से कार्य करता है। राज्य सरकार द्वारा 2 अगस्त 2026 को गठित 10 सदस्यीय समिति की भूमिका पर सवाल उठे। सरकार ने इसे केवल नीतिगत और स्पष्टीकरणप्राप्तक समिति बताया, न कि प्रवर्तन रोकने वाली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समिति का उपयोग कार्रवाई में देरी, बदलाव या हस्तक्षेप के लिए नहीं किया जा सकता। अदालत ने चेतावनी दी कि समिति के आदेश के आधार पर प्रवर्तन रोकना अवमानना का विषय बन सकता है।

मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट सख्त है और कोर्ट ने रहवासी क्षेत्र में व्यावसायिक ठिकाने हटाने की दिशा में आगे बात बढ़ाई है। यह तय हो गया है कि रिहायशी क्षेत्र में कमर्शियल गतिविधियां नहीं होंगी।

पूर्णंदु शुक्ला, याचिकाकर्ता

21 साल से मास्टर प्लान नहीं

सरकार ने हमारा पक्ष अच्छे से नहीं रखा। सरकार यदि अच्छे से पक्ष रखती तो सुप्रीम कोर्ट हमें समय देता। सरकार ने यह नहीं बताया कि 21 सालों से हमारे यहां मास्टर प्लान नहीं है। इस वजह से यह परेशानी खड़ी हुई। सरकार को कार्रवाई से पहले मास्टर प्लान या गुजरता मॉडल को लागू करना चाहिए।

आनंद सोनी, अध्यक्ष, 10 नंबर व्यापारी महासंघ

कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ किया संवाद

मुख्यमंत्री बने मास्टर ट्रेनर, कहा आज का विद्यार्थी कल का भारत



बच्चों से बात करते हुए

हरिभूमि न्यूज ► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की वह कुंजी है, जो विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाती है। आज इन युवाओं के चेहरों पर ही मुझे भारत का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने छात्राओं को सफलता के अनमोल टिप्स दिए। इसके साथ ही साथ भरोसा दिलाया कि आज का विद्यार्थी ही कल का भारत है। हर सपने को साकार करने के लिए मप्र सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को टीटी नगर स्थित कमला नेहरू सांदीपनि शासकीय कन्या विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ आयोजित आत्मीय संवाद कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने स्कूल में संवाद के दौरान मास्टर ट्रेनर की भूमिका में नजर आए। मुख्यमंत्री ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय परिसर में ही प्रदेशभर से आए शिक्षकों से भी आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली शिक्षान्मुखी होने के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी भी होनी चाहिए।

अनुशासन आत्मविश्वास व मेहनत तय करती है मंजिल

► **विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा युवा वर्ग**

► **विद्यार्थियों के सपने साकार करेगी मप्र सरकार**

मैं भी सरकारी विद्यालय में ही पढ़ा हूं, सांदीपनि स्कूल सबसे अच्छे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मैं भी ऐसे ही किसी सरकारी विद्यालय में ही पढ़ा हूं। हमारे समय में स्कूलों में इतनी सुविधाएं नहीं होती थीं। भारतीय गुरुकुल परंपरा और शिक्षा व्यवस्था का गौरवशाली इतिहास रहा है। हमारे सांदीपनि विद्यालय इस वक्त देश के सबसे अच्छे स्कूल हैं। यह प्रसन्नता का विषय है कि इस कमला नेहरू स्कूल की 58 छात्राएं मेरिट में उत्तीर्ण हुई हैं। आज निजी विद्यालयों के बच्चे भी सांदीपनि विद्यालयों में आने के लिए लालायित हैं।

बाल कैबिनेट की दी जानकारी मुख्यमंत्री को कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं ने विद्यालय में संचालित बाल कैबिनेट की जानकारी दी। बाल कैबिनेट में यहां की छात्राएं स्पोर्ट्स मिनिस्टर, कल्चरल मिनिस्टर, डिसिप्लिन मिनिस्टर जैसे दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करती हैं।



खबर संक्षेप

मूंग उपार्जन: स्लाट बुक करने की तारीख बढी

भोपाल। किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने प्रदेश के किसानों के हित में अहम फैसले

लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द के खरीद की अंतिम तारीख बढ़ाकर किसानों को बड़ी राहत

दी गई है। उपार्जन प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत मूंग उत्पादक किसानों के हित में स्लाट बुक करने की अंतिम तिथि 10 और मूंग एवं उड़द उत्पादन की अंतिम तिथि 20 अगस्त कर दी है।

अजीत अगरकर की चीफ सेलेक्टर से छुट्टी?

नई दिल्ली। अजीत अगरकर को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता पद से हटाया जा सकता

है। उनकी जगह वर्तमान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को नया चीफ सेलेक्टर बनाए जाने की संभावना है। अजीत की अगुवाई वाली चयन समिति ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ मिलकर रोहित शर्मा को बाहर रखने का सुझाव दिया था।

दतिया उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद पूर्व मंत्री ने दी सफाई

हमारे बारे में फैलाई जा रही बातें गलत, छारिज की मतभेद की खबरें

विशेष प्रतिनिधि ► भोपाल

प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया से भाजपा प्रत्याशी रहे आशुतोष तिवारी के साथ मतभेद की खबरों को पूरी तरह से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि हमारे बारे में फैलाई जा रही बातें गलत हैं। हमारे बीच न पहले कोई कटुता थी, न आज है। उन्होंने कहा कि अब भी हमारी मुलाकात हमेशा की तरह उसी गर्मजोशी और अपनत्व के साथ हुई। बुधवार को नरोत्तम ने अपने सोशल मीडिया पर यह पोस्ट लिखी है। उन्होंने लिखा कि दतिया उपचुनाव के बाद सोशल मीडिया पर मेरे और आशुतोष को लेकर जो भ्रामक और असत्य बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह निराधार हैं। वे मेरे अनुज हैं और मैं उनके अभिभावक जैसा। उनके प्रति



फाइल फोटो

हमारे बीच न कभी कोई कटुता थी, न है, हमारे बीच बहुत गर्मजोशी

मेरे मन में हमेशा स्नेह और आत्मीयता रही है, और आगे भी रहेगी। नरोत्तम ने लिखा कि आशुतोष भाजपा के एक कर्मठ, समर्पित और मेहनती कार्यकर्ता हैं। मेरे चुनाव 2003 डबरा से मैने उन्हें एक ईमानदार कार्यकर्ता के रूप में ही देखा है।

राजनीति में उतार चढ़ाव आते रहते हैं

नरोत्तम ने लिखा कि मैं अपने सभी समर्थकों और कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे ऐसा कोई कार्य, टिप्पणी या व्यवहार न करें जिससे पार्टी, संगठन या आशुतोष को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचे। हमारी ताकत हमारी एकजुटता, अनुशासन और संस्कार हैं। आशुतोष और मेरे बीच 25 वर्षों का पारिवारिक रिश्ता है।

मुरैना में एक कार्यक्रम में समाज को लेकर कर दी थी टिप्पणी विस अध्यक्ष तोमर ने कुशवाह समाज से मांगी माफी, वापस लिए अपने शब्द



विशेष प्रतिनिधि ► भोपाल

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाह समाज से अपने ही एक बयान के लिए माफी मांगी है। तीन दिन पहले मुरैना में भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह के निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने समाज को लेकर टिप्पणी की थी। बयान का वीडियो सामने आते ही कुशवाह समाज आक्रोशित हो गया था और उन्होंने तोमर की निंदा शुरू कर दी। चौतरफा घिरने और भारी

विरोध के बीच अब विधानसभा अध्यक्ष को पत्र जारी कर समाज से माफी मांगनी पड़ी है। मुरैना के शिवनगर स्थित भाजपा जिलाध्यक्ष के आवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में समाज का संबोधित करते हुए तोमर ने कहा था कि भाजपा हमेशा समाज के प्रति समर्पित रही, पर कुशवाह समाज बीच-बीच में झंझ-झंझ गुलाटी मारता रहा, इसलिए उसकी विश्वसनीयता खंडित हुई। जौरा से पूर्व कांग्रेस विधायक सोनेराम कुशवाह और अखंड भारत महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामसिया कुशवाह ने भी इस बयान की सार्वजनिक तौर पर कड़े शब्दों में निंदा की थी। विवाद के तूल पकड़ने पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने अपने आधिकारिक लेटरहेड पर लिखा- प्रिय कुशवाह समाज बंधुओं, हम विगत दिनों भाजपा अध्यक्ष, कमलेश कुशवाह के घर गए थे।

डीपफेक और बाल शोषण पर घिरा मेटा जुकरबर्ग ने सरकार से मांगी माफी पीएम की पोस्ट फेसबुक से हटाई थी

मेटा के वैश्विक अधिकारियों को समन भेजा गया था



एजेंसी ► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट फेसबुक से हटाने और प्लेटफॉर्म में कई खामियों को लेकर भारत सरकार के कड़े रुख के बाद मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने माफी मांगी है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात के दौरान मेटा की ग्लोबल टीम ने बाल शोषण सामग्री (सोएसएम), डीपफेक कंटेंट और 'प्लेटफॉर्म' संचालन में हुई गलतियों पर खेद जताया है। दरअसल, यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी के सेल्फी वीडियो पोस्ट को फेसबुक पर सीमित कर दिया गया था। इस वीडियो में उन्होंने पेपर लीक मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था। मेटा ने इसे अपनी एआई-संचालित ऑटोमेटेड कंटेंट फिल्टर की तकनीकी गड़बड़ी बताते हुए पोस्ट बहाल कर दी थी। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस सफाई को अपर्याप्त मानते हुए मेटा के वैश्विक अधिकारियों को समन भेजा था।

क्या मेटा को नहीं मिलेगा आईटी एक्ट का फायदा?

मेटा की ग्लोबल ऑफेयर्स ऑफिसर जोएल कार्ला समेत उच्चस्तरीय टीम को स्पष्ट कर दिया गया है कि वे 'इंटर्मीडियरी' (मध्यस्थ) की परिभाषा में नहीं आते हैं। चूंकि प्लेटफॉर्म यह तय करता है कि उपयोगकर्ता को कौन सा कंटेंट दिखाए, इसलिए आईटी अधिनियम के तहत मिलने वाला सेफ हार्वर (कानूनी सुरक्षा कवच) उन पर लागू नहीं होता। सरकार ने साफ किया है कि यह केवल एक तकनीकी चूक का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला है। इंस्टाग्राम पर वित्तापनों में बाल यौन शोषण सामग्री (सोएसएम) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार डीपफेक सामग्री को लेकर भी मेटा जांच के दायरे में है। आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि इतनी बड़ी वैश्विक टेक कंपनी होने के नाते मेटा के पास इन समस्याओं को रोकने के लिए पुख्ता तकनीक होनी चाहिए।

दिल्ली बैठक के बाद बड़ा फैसला

प्रदेश कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ व विभाग भंग

► **यह कदम संगठन के व्यापक पुनर्गठन का पहला चरण**
► **पटवारी ने कहा- यह संगठन सृजन अभियान का हिस्सा**

विशेष प्रतिनिधि ► भोपाल

दतिया विधानसभा सीट के उप चुनाव के बाद मंगलवार को भाजपा ने दतिया जिले की पार्टी की सभी इकाइयां भंग कर दी थी, जबकि बुधवार को प्रदेश कांग्रेस ने अपने सभी विभाग और प्रकोष्ठ भंग कर दिए। दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस के पुनर्गठन को लेकर हुई बैठक के बाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने सभी विभाग, प्रकोष्ठ (सेल्स) और उनको जिला व ब्लॉक स्तरीय इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा



पीसीसी में बैठक

कि राहुल गांधी के मार्गदर्शन में संगठन सृजन अभियान चल रहा है। समीक्षा के बाद पार्टी ने तत्त्व ने यह निर्णय लिया है। संगठन को नए स्वरूप में तैयार करने की दिशा में काम हो रहा है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य संगठन में नई ऊर्जा, नई कार्यसंस्कृति और प्रभावी जवाबदेही सुनिश्चित करना है। प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी महामंत्री संजय कामले ने कहा है कि आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अब नए सिरे से सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।

चिंतन

सरकार युवाओं की आवाज सुने

जब बड़ी संख्या में देश के युवा किसी मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो उनकी हर बात से सहमत होना सरकार के लिए जरूरी नहीं, लेकिन उनकी बात सुनना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है, मौजूदा दौर में सरकारों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। विरोध को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर बल प्रयोग से दबाने के बजाय उसके पीछे के असंतोष को समझना लोकतांत्रिक शासन की पहली कसौटी होनी चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी जैसे रास्ते पर चले भी जाएं तो उन्हें केवल बल प्रयोग से नहीं, समझाने और काउंसिलिंग के जरिए शांत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों से संयम बरतने की सलाह देते हुए कोर्ट ने सरकार को भी आक्रामक रवैये से बचने को कहा है। यह संदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विरोध व हिंसा के बीच एक स्पष्ट रेखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति पर हमला, पत्थरबाजी या कानून तोड़ना स्वीकार नहीं किया जा सकता। चुनौती यह है कि राज्य इस फर्क को समझते हुए ऐसी नीति बनाएं, जिसमें कानून का राज भी कायम रहे और युवाओं की नाराजगी को संवाद का रास्ता भी मिले। दमन से तत्काल शांति दिख सकती है, लेकिन संवाद ही स्थायी समाधान की नींव रखता है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन संविधान की भावना के अनुरूप है, लेकिन हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। 20 जुलाई के संसद मार्च में पुलिसकार्मियों और प्रदर्शनकारियों के घायल होने की घटना इसी संतुलन की जरूरत को सामने लाती है। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च संस्थागत मंच है। उसकी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा होती है, सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास होता है या पुलिस पर हमला किया जाता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कानून सबके लिए समान है और आंदोलन की आड़ में हिंसा को वैध नहीं बनाया जा सकता, लेकिन दूसरी तरफ यह भी देखना होगा कि किसी आंदोलन की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई। सरकार यदि पहले ही संवाद का रास्ता खोल दे तो कई बार वह स्थिति पैदा ही नहीं होती जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों का आमना-सामना हो। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि राज्य को संयम और संवाद दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाना चाहिए। पुलिस की भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने की है, लेकिन बल प्रयोग अंतिम विकल्प होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने और सुरक्षा व्यवस्था का सम्मान करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकार को भी दोहरी नीति से बचना होगा। एक ओर हिंसा करने वालों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई हो और दूसरी ओर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत का रास्ता खुला रहे। आज जरूरत युवाओं को डराने की नहीं, उन्हें भरोसा देने की है। उनकी बात सुनी जाए, असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया माना जाए और जहां शिकायत जायज हो, वहां समाधान की पहल हो। सरकार अगर युवाओं की आवाज सुनेगी तो उसे सड़कों पर टकराव कम और लोकतंत्र में भरोसा ज्यादा मिलेगा। यही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है।

दिवस विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर



'हिरोशिमा त्रासदी' की विभीषिका का दर्द

मानव इतिहास में ‘6 अगस्त 1945’ की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। ‘हिरोशिमा दिवस’ की रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था, जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थीं। हताहतों का आंकड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने ‘बी-29 ‘एनाला गे’ विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुठ्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था, जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिट्टी में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था। अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रद्धांजलि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को ‘हिरोशिमा दिवस’ के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकलित करने को अहवाल भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनावश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूक भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम ‘एनाला गे’ था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम ‘लिटिल बॉय’ यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था। जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को संयुक्त होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है। गौरतलब है कि हिरोशिमा त्रासदी की ये तारीख निरस्त्रीकरण और आदर्शवादी की वह अवधारणा है जो पूरी तरीके से हथियारों की समाप्ति का समर्थन करती है। हालांकि, निरस्त्रीकरण या शांक्ष नियंत्रण कोई नई घटना नहीं है। इसको सर्वव्यापी मान्यता भले ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली हो। पर, इसका मौजूदा वक़्त में नियंत्रण खुरफाती मुल्कों ने खत्म कर दिया है। जबकि, 19वीं शताब्दी में राष्ट्रों के मध्य निरस्त्रीकरण के लिए बकायदा समझौते भी हुए थे। हथियारों की मात्रा को घटाने में बहुत कुछ करने की जरूरत है। एकाध देश कुछ नहीं कर सकता। सभी को आगे आना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का कभी भी उल्लंघन नहीं किया। पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कभी कोई प्रयोग नहीं किया। भारत संदेव इस बात का पक्षधर रहा है कि परमाणु हथियारों का बेजा इस्तेमाल कभी ना किया जाए। इस मसले पर 26 जनवरी 1946 को संयुक्त राष्ट्र ने अणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। उसके एक साल बाद फरवरी 1947 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद द्वारा परंपरागत हथियार आयोग की स्थापना भी की गई। सन 1952 में महासभा ने उपर्युक्त दोनों आयोगों को संयुक्त करके निरस्त्रीकरण आयोग के नाम से एक नया आयोग भी बनाया। आयोग को परंपरागत और परमाणु दोनों प्रकार के हथियारों के नियमन के संदर्भ में संधि के प्रारूप तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। इतना सब कुछ होने के बाद भी मकसद सफल नहीं हुआ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं)



अभियान
राजकुमार सिंह

‘नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन नशे जैसी गहरी सामाजिक और आपराधिक समस्या का इलाज केवल जागरूकता से संभव नहीं। युवाओं को खेल, कला और संस्कृति से जोड़कर नशे से दूर रखने की कोशिश जरूरी है, मगर इसके साथ नशे की आपूर्ति करने वाले संगठित तंत्र पर कठोर प्रहार भी उतना ही अनिवार्य है। सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर देश के महानगरों और छोटे कस्बों तक ड्रग्स की उपलब्धता बताती तक ड्रग्स की उपलब्धता बताती है कि तस्करी का नेटवर्क अभी भी मजबूत है। इसलिए नशामुक्ति का संकल्प तभी सफल होगा, जब सरकार जागरूकता के साथ तस्करों, भ्रष्ट संरक्षण तंत्र और नशे के कारोबार की पूरी शृंखला पर निर्णायक कार्रवाई करे।

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें



संकलित

दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख

अंतर्मन



करंट अफेयर

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को ‘इंडिया डे’ किया घोषित

मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हेली ने राज्य के विकास में भारतीय समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए 15 अगस्त को ‘इंडिया डे’ घोषित किया है और राज्य के निवासियों से इस अवसर के आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। एक अगस्त को जारी सरकारी आदेश में गवर्नर ने यह भी कहा कि सामुदायिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने वार्षिक स्वतंत्रता दिवस समारोहों तथा सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से नागरिक भागीदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह की घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल चू ने भी की है। उन्होंने भी 15 अगस्त को ‘इंडिया डे’ घोषित किया है। उन्होंने बोस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के नए कार्यालय के उद्घाटन का स्वागत किया और ‘सेलबोर्स्टन-250’ कार्यक्रम में भारतीय नौसैनिक पोत आईपनएस युदर्शिन के आगमन को भी प्रसन्नता व्यक्त की। मैसाचुसेट्स की गवर्नर द्वारा जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से 1947 में मिली आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी।

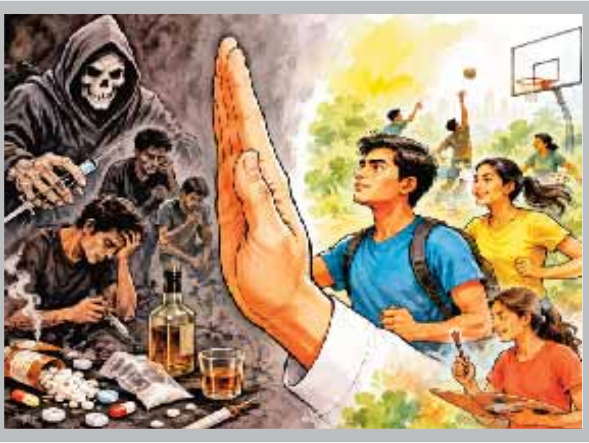


सख्ती से ही संभव नशामुक्त भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ संकल्प अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, पर तेजी से नासूर बनती जा रही इस समस्या का समाधान मात्र संदेश नहीं, सख्ती से ही संभव होगा। इस अभियान के अंतर्गत 100 सप्ताह तक हर रविवार को खेल, कला और संस्कृति आदि गतिविधियों के माध्यम से देश भर में युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाओं और औद्योगिक संगठनों के अलावा 100 से भी ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से यह अभियान चलाया जायेगा। जागरूकता की दृष्टि से यह निश्चय ही एक बड़ा अभियान होगा। तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही नशे की लत के विरुद्ध जागरूकता अभियान की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, पर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। ऐसे में 100 रविवार जागरूकता अभियान मात्र चला कर नशामुक्त भारत का सपना आशावाद का ज्यादा नजर आता है। बेशक नशे की समस्या भारत में हाल-फिलहाल पैदा नहीं हुई। कभी पूर्वोत्तर से शुरू यह लत सीमावर्ती पंजाब और पड़ोसी हरियाणा तक पहुंच चुकी है। इससे अछूता रहने का दावा तो शायद ही कोई राज्य कर पाये, क्योंकि गुजरात के बंदरगाहों तक पर बड़ी-बड़ी खेप जब््त हुई हैं।

प्रधानमंत्री का दावा है कि ड्रग्स तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई पहले की तुलना में कई गुणा बढ़ी है, लेकिन तरह-तरह के ड्रग्स की देश के दूरदराज क्षेत्रों में भी सहज उपलब्धता सरकारी कार्रवाई को नाकाफी ही साबित करती है। यह तो खुला रहस्य है कि तमाम तरह का नशा सीमा पर से तस्करी हो कर ही भारत आता है। भारत की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर यह काम दशकों से चल रहा है। सच यह भी है कि ड्रग्स तस्करी अब आतंकवादियों की फंडिंग का भी बड़ा स्रोत बन चुकी है। नापाक पड़ोसी पाकिस्तान हमारे देश में नशा तस्करी का एकमात्र स्रोत तो नहीं है, लेकिन शायद सबसे बड़ा स्रोत वही है। दूरअस्त विभाजन के जरिये अस्तित्व में आने के बाद से ही पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध बहुआयामी छद्म युद्ध छेड़ रखा है। कश्मीर से पंजाब तक पाकिस्तान न सिर्फ आतंकवाद का पालन-पोषण कर रहा है, बल्कि उसके लिए धन भी नशा तस्करी और जाली करंसी के जरिये भारत से ही जुटा रहा है। कहना नहीं होगा कि नशा

तस्करी जहां भारतीय युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार बना रही है, वहीं जाली करंसी अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है। बेशक भारत इस सबसे अनभिज्ञ नहीं है और हरसंभव कदम भी उठा रहा है, लेकिन पाकिस्तानी दुष्क्र को पूरी तरह तोड़ा नहीं जा सका है। सीमावर्ती पंजाब में युवाओं को नशे ने इस कदर खोखला कर दिया है कि उस पर ‘उड़ता पंजाब’ फिल्म भी बन चुकी है। पिछले कई चुनाव से पंजाब में नशा बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है और पुलिस से ले कर



राजनेताओं तक पर तस्करी में संलिप्तता के आरोप भी लगते रहे हैं, पर उससे मुक्ति का वायदा अभी तक कोई भी सरकार वफा नहीं कर पाई है। युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। फिर भारत तो है ही युवा आबादी बहुल देश। ऐसे में युवाओं के नशे के दलदल में फंसने का दुष्प्रभाव देश के वर्तमान ही नहीं, भविष्य पर भी दूरगामी होगा। तमाम तरह के नशे जिस तेजी से भारतीय युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं, उसके आंकड़े डरावने हैं, पर उस पर अपेक्षित चिंता सरकारों और उनकी एजेंसियों में नजर आती नहीं। भारत का संविधान ‘मद्य निषेध’ की सोच रखता है, पर देश में 15 करोड़ से भी ज्यादा लोग शराब पीते हैं, जिसकी जायज बिक्री के एवज में सरकारें मोटा राजस्व वसूलती हैं और शराब की बोतल एवं दुकानों पर चेतावनी लिखवा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। देश में लगभग तीन करोड़ लोग गांजे का सेवन करते हैं, जबकि दो करोड़ के आसपास हेरोइन आदि ड्रग्स का नशा करते हैं। आंकड़े तब और भी डरावने हो जाते हैं, जब पता चले कि इन नशाखोरों में किशोर और युवा भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। जाहिर है, नशा तस्करी जहां कानूनी चुनौती है, वहीं नशाखोरी



संकलित

प्रेरणा

आज की पाती

सरकारी धन का उचित प्रयोग करें सरकारें

देश में बहुत से राज्यों के लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जैसे कि कहीं सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं अर्थात सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए इलाज की सुविधाएं नहीं, कहीं स्ट्रीट लाइट, कहीं सफाई व्यवस्था, कहीं पीने वाले पानी की समस्या, कहीं टूटी सड़के, लेकिन इनमें से कुछ राज्य बेवजह ही सरकारी पैसे को गुप्त में लोगों को बांट रहे हैं। अगर इस सरकारी पैसे को ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए खर्च किया जाए तो लोगों को सुविधाएं मिलेंगी, जो लोगों की साफ-सफाई, मरीजों को बीमारियों और अन्य बहुत सी समस्याओं को हल करेंगी। इसी तरह बुजुर्गों के लिए बुढ़ापा पेंशन कम से कम 5000 रुपये प्रति माह होनी चाहिए।

- विजय शर्मा, रोहतक

ऑफ बीट

जानें कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें ‘सुपरमैसिव’ ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से



एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे: खगोलशास्त्री संभवतः इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्जवाल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

एक बड़ी सामाजिक समस्या बन गयी है, जिससे परिवार तबाह हो रहे हैं। इस समस्या से लड़ने और उबरने में मदद के लंबे-चौड़े दावे भी किये जाते हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि नशे की लत के शिकार 80-90 प्रतिशत लोगों को तो इलाज ही नहीं मिल पाता। ज्यादातर नशा मुक्ति केंद्र भी यातना केंद्र बन गए हैं। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक ही लगभग पौने छह करोड़ लोग शराब पीने से होनेवाली समस्याओं से जूझ रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में भारत में प्रति व्यक्ति शराब की खपत 3.1 लीटर थी, जो 2023 में 3.2 लीटर हो गई और 2028 में 3.4 लीटर हो जाने की संभावना है। भारत में 60 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया शराब का बाजार बताता है कि कारोबारी मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और सरकारें भरपूर राजस्व वसूल रही हैं। अन्य ड्रग्स का कारोबार गैर कानूनी है, इसलिए उसकी बाबत ऐसे ठोस आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि चोरी छिपे बिकनेवाली चीज मुंह मांगी कीमत पर ही मिलती है और उसके कारोबार से होनेवाला मुनाफा भी अकूत होता है। तभी तो लोग ऐसे जोखिमभरे कारोबार में दांव लगाते हैं और पुलिस-प्रशासन से ले कर खरीददारों तक अपना नेटवर्क बनाते हैं। ऐसे में नशाखोरी का मर्ज तेजी से नासूर हो बनता जा रहा है। वैसे तो इलाज की

कोई इमानदार कोशिश नजर आती नहीं, फिर भी सरकारी दावों पर भरोसा करें तो कहना पड़ेगा: ‘मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की’, पर अब तो मर्ज इलाज की हद से गुजर चुका है। अब इसकी शल्य चिकित्सा ही हो सकती है, जिसके लिए सबसे पहले व्यवस्था की शल्य चिकित्सा करनी होगी, क्योंकि बिना व्यवस्था के संरक्षण के ड्रग्स तस्करी सरीखा संगठित आपराधिक कारोबार भारत में फल-फूल रही नहीं सकता था। पूर्वोत्तर से ले कर पंजाब तक राजनेताओं और पुलिस-प्रशासन की संलिप्तता की चर्चाएं आम रही हैं, लेकिन इन खास लोगों की लगाम कसने का साहस अभी तक तो किसी ने नहीं दिखाया। अगर प्रधानमंत्री मोदी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही भ्रष्ट व्यवस्था की शल्य चिकित्सा भी कर पाये, तो अवश्य नशा मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है। कोई भी देश अपने नागरिकों से ही विकसित बनाता है। जब देश के नागरिक स्वस्थ, सभ्य तथा सामाजिक –आर्थिक रूप से खुशहाल होंगे, तभी सही मायने में विकसित भारत का

(लेखक वीरेंद्र पत्रकार एवं राजनितिक विश्लेषक हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।



व्हापक बदलाव

सात घंटे पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए, जिससे जम्मू,कश्मीर और लद्दाख के विकास की नई शुरुआत हुई। दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी व लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव देखने को मिला। -नरेंद्र मोदी, पीएम



शीर्ष कोर्ट में 38 जज होंगे

न्यायापालिका के बढ़ते कार्याभार, संवैधानिक एवं कानूनी व्याख्या के उभरते जा सवालों को ध्यान में रखकर उच्चतम न्यायालय ने न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समरा की मांग है। अब शीर्ष अदालत ने प्रधान न्यायाधीश को मिलाकर कुल 38 न्यायाधीश हो जाएंगे। -अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री



गृहमंत्री जिम्मोदार

छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मोदार हैं। उनमें न तो संसद में आकर उस गृह पर बोलने का शिष्टाचार है और न ही यह बताने का साहस कि अखिर क्या हुआ। लुटेरे युवाओं और उन नौबतवाजी पर गर्व है, जिन्होंने संविधान, भारत की अवधारणा व देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई। -राहुल गांधी, नेता विपक्ष



बुनियादी ढांचे का निर्माण

जेन-जेड को यह जानना चाहिए। महज 12 वर्षों में गाजपा-नीत सरकार ने भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे का 60-70 प्रतिशत से अधिक निर्माण किया है। रोष 30-40 प्रतिशत का निर्माण कोअस-नीत सरकारों के करीब 60 वर्षों के शासन के दौरान हुआ। -पेमा खांडू, मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिंछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

एरियर का भुगतान करने का भी निर्देश



जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के कर्मियों को नियुक्ति के पहले वर्ष से ही पूरा वेतन देने का आदेश दिया है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ताओं को एरियर की राशि देने का निर्देश दिया है। अधारताल जबलपुर निवासी अमित वर्मा सहित अन्य की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता राज्य सरकार के कर्मचारी है। उन्हें नियुक्ति के पहले वर्ष 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन दिया जा रहा है। राज्य शासन का सकुलर संविधान के विपरीत है। हाई कोर्ट ने वसीम अकरम और विनीता तिवारी मामले में भी राज्य सरकार के कर्मियों को पहले वर्ष से पूरा वेतन देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर राहत प्रदान कर दी।

हाईकोर्ट ने याचिका का किया निराकरण, सरकार के आवासन पर कोर्ट ने किया मामला समाप्त

सिंगोद स्कूल में फिर शुरू होगी पढ़ाई

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सिंगोद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को बंद किए जाने के मामले में याचिका का निराकरण कर दिया है। जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच ने चार अगस्त को अंतिम सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन को रिकार्ड पर लेते हुए याचिका का निराकरण किया। सरकार की ओर से बताया गया कि सिंगोद का विद्यालय पूर्व की तरह संचालित किया जाएगा और विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। दरअसल, सिंगोद स्थित शासकीय विद्यालय को बंद कर विद्यार्थियों की पढ़ाई दूसरे स्थान पर संचालित किए जाने के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। याचिका में स्कूल को पुनः खोलने और पूर्व में अध्ययनरत विद्यार्थियों को निर्बाध रूप से पढ़ाई जारी रखने की व्यवस्था करने की मांग की गई थी।

18 किमी दूर नए भवन में किया गया था संचालन- सरकार की ओर से कोर्ट में बताया गया कि सिंगोद के पुराने विद्यालय को कक्षा छह से दसवीं तक वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल के नाम से जारी रखा जाएगा। वहीं सिंगोद से करीब 18 किलोमीटर दूर रेपुरा पनागर में नए भवन में सांझा शिक्षण शुरू किया जाएगा। विद्यार्थियों को अपनी सुविधा के अनुसार दोनों विद्यालयों में प्रवेश लेकर पढ़ाई करने की अनुमति होगी। विद्यालय संचालन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात भी सरकार ने कही।



अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाला गिरोह पकड़ाया

जबलपुर। लार्डगंज थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्चाफाश करते हुए तीन शांतिर बंदमशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, दो देशी कट्टे, तीन कारतूस और 3,020 रुपये नकद जब्त किए गए हैं। सीएसपी कोतवाली अखिलेश गौर के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर जौरी डिग्री के पास घेराबंदी कर पहले ग्वारीघाट निवासी दीपक जाटव को पिस्टल और कारतूस सहित पकड़ा गया। पृष्ठताछ में उसने अपने साथियों आकाश पटेल और आनंद चौधरी के साथ मिलकर अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने की बात स्वीकार की। इसके बाद दोनों आरोपियों को भी कट्टे और कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पृष्ठताछ में सामने आया कि आरोपियों ने करीब दो माह पहले छोटू चौबे से दो पिस्टल, चार कट्टे और कारतूस खरीदे थे, जिनमें से कुछ हथियार पहले ही बेच दिए गए थे। तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 तथा बीएनएस की धारा 111(1) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी दीपक जाटव हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार था और उसके खिलाफ एक दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जबकि आकाश पटेल पर नौ और आनंद चौधरी पर आबकारी अधिनियम के पांच मामले दर्ज हैं।

हाईकोर्ट ने कहा-तमी बढेगा जनता का भरोसा

पुलिस और अधिवक्ता दोनों कानून के सम्मान का उदाहरण बनें

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में पुलिस और अधिवक्ताओं की भूमिका पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों ही न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। कानून लागू करने वाली पुलिस और उसकी रक्षा करने वाली विधि बिरादरी यदि परस्पर सम्मान, शालीनता और कानून के अनुरूप आचरण करेंगी, तभी न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत होगा। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने यह टिप्पणी ट्रैफिक जांच के दौरान पुलिसकर्मियों पर मारपीट व अभद्रता के आरोप संबंधी याचिका का निराकरण करते हुए की। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अधिवक्ता श्रेयांशु दीवार की ओर से अधिवक्ता निखिल तिवारी, अंशुल तिवारी ने पक्ष रखा। कोर्ट ने कहा कि अधिवक्ता केवल पक्षकार के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि न्यायालय के अधिकारी भी हैं। इसलिए उनसे कानून और वैधानिक व्यवस्था के प्रति सर्वोच्च सम्मान की अपेक्षा की जाती है। वहीं पुलिसकर्मियों को भी कानून का पालन कराते समय धैर्य, शिष्टाचार और संयम बनाए रखना चाहिए। ट्रैफिक जांच के दौरान अभद्र भाषा, वाहन की चाबी छीनने या अनावश्यक विवाद जैसी शिकायतें सामने आती रहती हैं। आरोप सही हों या नहीं, इसकी जांच हर मामले में होगी, लेकिन कानून लागू करते समय दृढ़ता के साथ निष्पक्षता और सभ्य व्यवहार भी आवश्यक है। कोर्ट ने एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश देने से इन्कार करते हुए कहा कि शिकायत पहले से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के समक्ष जांचाधीन है। इसलिए जबलपुर पुलिस अधीक्षक को 13 जुलाई, 2026 के अभ्यावेदन पर कानून के अनुसार स्वतंत्र व निष्पक्ष निर्णय लेने के निर्देश देते हुए याचिका का निराकरण कर दिया।

हाईकोर्ट में चुनौती के बाद

सरकार का यू-टर्न, बदलेगी

एमयू कुलपति नियुक्ति की शर्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, एमयू के कुलपति की नियुक्ति में सरकार मेडिकल कालेज में प्रोफेसर के रूप में 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य करने वाली शर्त पर सरकार अब पीछे हटेगी। हाई कोर्ट में राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि इस प्रावधान को हटाने के लिए विधानसभा में नया विधेयक लाया जाएगा। बिल पारित होने के बाद कुलपति नियुक्ति की पूर्व व्यवस्था फिर लागू हो जाएगी। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने सरकार के बयान को रिकार्ड पर लेते हुए विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होगी। दरअसल, जबलपुर के सुखसागर मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डा. पंकज कमल धरडे ने एमपी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, संशोधन अधिनियम, 2023 को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। संशोधन के तहत कुलपति पद के लिए सरकारी मेडिकल कालेज में प्रोफेसर के रूप में 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य किया गया था। याचिका में कहा गया कि इस शर्त से निजी मेडिकल कालेजों और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्यरत अनुभवी प्रोफेसरों व शिक्षाविदों के लिए कुलपति पद के अवसर बंद हो गए। इसे याचिकाकर्ता ने मनमाना और भेदभावपूर्ण बताया है। सरकार के रुख में बदलाव के बाद हाई कोर्ट ने याचिका को संबंधित प्रकरण के साथ टैग कर संयुक्त सुनवाई के निर्देश दिए हैं।

2.70 लाख का

जुर्माना वसूला

जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर की गई कार्रवाई में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त कर 2 लाख 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण रोकने के लिए नगर निगम की टीम ने व्यावसायिक क्षेत्रों में निरीक्षण किया। इस दौरान चंडालभाटा ट्रॉसपोर्ट नगर स्थित विराग रोडवेज, कैलाश चंदानी एवं अनूप नागरईया के प्रतिष्ठानों से 60 बोरी अमानक कैरीबैग, 120 पैकेट प्लास्टिक चम्मच एवं 100 पैकेट डिस्पोजल सामग्री जब्त की गई। नियमों के उल्लंघन पर संबंधितों से 2.70 लाख रुपये की दंड राशि वसूली गई। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, खुले में कचरा एवं मलबा फेंकने तथा

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के तहत निगम की बड़ी कार्रवाई



अमानक पॉलिथीन के उपयोग व भंडारण करने वाले 50 लोगों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर 20 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए सघन बस्तियों में फागिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया गया। नालियों एवं जलभराव वाले स्थानों पर मच्छरों व कीटाणुओं की रोकथाम के लिए नियमित कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

गोहलपुर के त्रिमूर्ति नगर में वारदात, तीन हमलावर फरार

सरेराह युवक की हत्या, बेखौफ बदमाशों का खूनी खेल

जबलपुर। संस्कारधानी में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। सरेआम चाकूबाजी और हत्या की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार शाम गोहलपुर थाना क्षेत्र के त्रिमूर्ति नगर में तीन बदमाशों ने एक युवक को घेरकर उस पर चाकूओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए। खून से लथपथ युवक ने मौके पर ही हम तोड़ दिया, जबकि हमलावर वारदात के बाद आराम से फरार हो गए। मृतक की पहचान यशवंत ठाकुर, निवासी विजय नगर के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमला इतना अचानक और तेज था कि युवक को संभलने तक का मौका नहीं मिला। कुछ ही मिनटों में पूरी सड़क खून से लाल हो गई और इलाके में



अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गोहलपुर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पृष्ठताछ कर तीनों आरोपियों की पहचान में जुटी है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घरेलू एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

जबलपुर। घरेलू (14.2 किलोग्राम) एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक कार्यों एवं वाहनों में अवैध उपयोग, का ला बा जा री, इससे होने वाली राजस्व हानि तथा सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले विभाग ने संज्ञान लिया है। ‘ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन’ द्वारा प्रस्तुत शिकायत पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग ने इस मामले को आगे की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को भेज दिया है।



ग्राहक दक्षता फाउंडेशन शिकायत पर संज्ञान

क्या है मामला.....?

‘ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन’ की ओर से केंद्र सरकार के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। यह ध्यानाकर्षण कराया गया था कि 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों से ‘टिल्टू पंप’ के माध्यम से पाइप लगाकर अवैध रूप से वाहनों तथा व्यावसायिक सिलेंडरों में गैस रिफिल की जा रही है। इससे विस्फोट एवं दुर्घटनाओं का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है तथा यात्रियों एवं आम नागरिकों के जीवन को जोखिम है। घरेलू एलपीजी पर 5 प्रतिशत जीएसटी लागू है, जबकि व्यावसायिक एलपीजी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है। घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग किए जाने से सरकार को 13 प्रतिशत जीएसटी राजस्व का नुकसान हो रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ एलपीजी वितरकों और कालाबाजारी करने वालों की मिलीभगत से ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर ग्राहकों की जानकारी के बिना अथवा

उच्चवला योजना के लाभार्थियों के नाम पर फर्जी बुकिंग दिखाकर घरेलू सिलेंडरों को कालाबाजारी में भेजा जा रहा है। फाउंडेशन ने 159 जिलों के 59 हजार 900 से अधिक होटल, ढाबों, फास्ट फूड सेंटरों एवं रेस्टोरेंट्स की सूची साक्ष्यों सहित सरकार को प्रस्तुत की है, जहां घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

केंद्र सरकार के निर्देश

उपभोक्ता मामले विभाग के अवर सचिव विकास कुमार द्वारा 29 जुलाई 2026 को जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार यह मामला आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए ‘ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन’ द्वारा प्रस्तुत शिकायत एवं साक्ष्यों की गहन जांच कर दोषियों तथा संबंधित गैस एरिजियों के विलोपन निगमनुसार कठोर कार्रवाई करने के निर्देश पेट्रोलियम सचिव को दिए गए हैं।

सीएमएचओ

की कार्रवाई

डॉ. लाल पैथलैब्स का कलेक्शन सेंटर सील, जनता पाइल्स हॉस्पिटल को नोटिस



या मध्यप्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल का पंजीयन भी उपलब्ध नहीं मिला। इसके बाद सेंटर को सील कर संचालकों को तीन दिन के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेज सीएमएचओ कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

इधर, सीएमएचओ डॉ. नवीन

कोठारी के निर्देश पर जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील व विकास श्रीवास्तव ने स्नेह नगर स्थित जनता पाइल्स आयुर्वेदिक हॉस्पिटल का भी औचक निरीक्षण किया। जांच में अस्पताल के लिए होना पाया गया, लेकिन परिसर में एलोपैथिक दवाइयां

मिलीं। इसके अलावा बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन का मटेनेंस रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं था। अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर स्टाफ की शैक्षणिक योग्यता, पंजीयन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज सीएमएचओ कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

नाबालिग छात्रा को होटल ले जाकर साथी ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में नाबालिग छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि होटल में कमरा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए दिया गया था या नहीं। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग छात्रा की पहचान मदर टेरेसा क्षेत्र निवासी नीलेश चौबे से हुई थी। दोनों के बीच पहले से परिचय था। दोनों मंगलवार को घूमने फिरने जाते थे। आरोप है कि युवक छात्रा को विजयनगर स्थित एक होटल ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। नाबालिग की हालत बिगड़ने पर मामलों का खुलासा हुआ। घटना

होटल प्रबंधन की भूमिका की जांच

विजयनगर थाना पुलिस के अनुसार, होटल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, होटल के रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

100 करोड़ से अधिक की मनी लान्ड्रिंग में सौरभ शर्मा को सशर्त जमानत

सौरभ की ओर से स्थायी जमानत के लिए यह आवेदन दायर किया गया था। इससे पहले हाई कोर्ट दो बार उसकी स्थायी जमानत याचिका निरस्त कर चुका था। बीमार पत्नी के आपरेशन के लिए मांगी गई अस्थायी जमानत भी मंजूर नहीं हुई थी। जमानत आवेदन में बताया गया कि सौरभ परिवहन विभाग में आरक्षक के घद पर पदस्थ था और बाद में स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति ले चुका था। आरोप है कि उसने परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और संबंधित संस्थाओं के नाम पर चल-अचल संपत्तियां, निवेश और वित्तीय लेनदेन किए तथा ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। दरअसल, 19 दिसंबर 2024 को लोकयुक्त की कार्रवाई के दौरान उसने विभिन्न परिसरों से नकदी, सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान बरामद किए थे। इसी दिन आयकर विभाग ने सह-आरोपित चेतन सिंह गौर के नाम पर पंजीकृत उस वाहन से नकदी और सोने की ईंटें बरामद की थीं, जिसका इस्तेमाल सौरभ कर रहा था। इसके बाद इंडी भोपाल ने 21 दिसंबर 2024 को मनी लान्ड्रिंग का प्रकरण दर्ज किया। सौरभ को इंडी ने 10 फरवरी 2025 को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया था। सौरभ की ओर से तर्क दिया गया कि हाई की जांच पूरी हो चुकी है और चालान भी पेश किया जा चुका है। आरोप तय हो चुके हैं। अभियोजन का मामला मुख्य रूप से दस्तावेजी साक्ष्यों पर आधारित है और करीब तीन हजार पन्नों के दस्तावेज पेश किए गए हैं।

कोर्ट ने कहा - चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद संपत्ति छुपाने जैसे आरोपों की समीक्षा करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया है कि विधान सभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव आयोग या जिला निर्वाचन तंत्र के पास प्रत्याशी द्वारा संपत्ति छुपाने जैसे आरोपों की समीक्षा करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं रहता। एसीजे विवेक रुसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने सुरखी (सागर) विधानसभा सीट से भाजपा विधायक और मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के निवासी और पूर्व प्रत्याशी राजकुमार सिंह ने यह याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि गोविंद सिंह राजपूत ने 2023 के विधानसभा चुनाव में नामांकन के साथ दखिल फॉर्म 26 (शपथ पत्र) में अपने, अपनी पत्नी और एक पंजीकृत संस्था ज्ञानवीर सेवा समिति के स्वामित्व वाली अचल संपत्तियों की जानकारी छिपाई की थी।मंत्री राजपूत की ओर से अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने तर्क दिया कि चुनाव परिणाम 17 नवंबर 2023 को घोषित हुए थे,



जबकि याचिकाकर्ता ने 17 महीने बाद 21 मार्च 2025 को चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। याचिकाकर्ता का तर्क था कि वह इस दौरान अपराधिक मामले में जेल में बंद था, इसलिए शिकायत में देरी हुई। चुनाव आयोग द्वारा क्षेत्राधिकार न होने का हवाला देकर शिकायत खारिज किए जाने पर उसने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटया था। सुनवाई के बाद अदालत ने एन.पी. पानुस्वामी बनाम रिटर्निंग ऑफिसर मामले के ऐतिहासिक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव संपन्न होने के बाद किसी भी गड़बड़ी या शपथ पत्र में गलत जानकारी को चुनौती केवल और केवल समय-सीमा 45 दिन के भीतर चुनाव याचिका के जरिए ही दी जा सकती है। रिट याचिका के माध्यम से इसे

साधियों को कुचलने के बाद 270 किमी भागा, हाई कोर्ट में भी नहीं मिली राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने रीवा में तीन जैन साधियों को कार से टक्कर मारने के बाद करीब 270 किलोमीटर तक फरार हुए आरोपित रशीद आबाद अली शाह को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस अजय कुमार निरकारी की सिंगल बेंच में जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। राज्य सरकार ने जमानत का कड़ा विरोध किया। कोर्ट के रुख को देखते हुए आरोपित की ओर से अर्जी वापस लेने का आवाह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने जमानत आवेदन निरस्त कर दिया।दरअसल, 20 मई को रीवा कलेक्ट्रेट के सामने तीन जैन साधियां सड़क किनारे पैदल विहार कर रही थीं। तभी तेज रफ्तार कार ने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में श्रुति मति माता की मौके पर मृत्यु हो गई। उपरमिति माता ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि घायल आरिका माता का उपचार जारी है।हादसे के बाद आरोपित कार समेत फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज से वाहन की पहचान होने पर पुलिस ने अलर्ट जारी किया। करीब 270 किलोमीटर दूर जबलपुर के बहरीपर टोल प्लाजा पर बरगी पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। वह फिलहाल न्यायिक अमिरक्षाम में है।सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह स्परहट और शासकीय अधिवक्ता अमित पांडे ने घटना की गंभीरता और हादसे के बाद आरोपित के फरार होने का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया

चुनौती देना कानूनी रूप से पोषणीय नहीं है। कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 81(1) के तहत निर्धारित 45 दिनों की अवधि सख्त है। सुप्रीम कोर्ट के नजीरों के अनुसार जेल में होना या कोई अन्य कारण इस 45 दिन की समय-सीमा को बढ़ाने का आधार नहीं बन सकता।बेंच ने आदेश में कहा कि गलत शपथ

सिविक सेंटर को व्यवस्थित करने जेडीए की पहल व्यापारियों और लीजधारियों के साथ बनी कार्ययोजना

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सिविक सेंटर योजना क्रमांक 18, विकास बाजार एवं चौपाटी क्षेत्र को व्यवस्थित, स्वच्छ और सर्वसुविधायुक्त बनाने की दिशा में पहल शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन की अध्यक्षता में लीजधारियों, व्यापारियों, संस्थान संचालकों एवं चौपाटी दुकानदारों के साथ तीन दिवसीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के विकास और समस्याओं के समाधान को लेकर सुझाव लिए गए।

बैठक के समापन अवसर पर जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के समन्वय से रणनीति बनाकर कार्ययोजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। सिविक सेंटर के रखरखाव, सुरक्षा एवं संचालन के लिए व्यापारियों और लीजधारियों की पंजीकृत समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो जेडीए के साथ मिलकर स्थानीय समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने बताया कि मेजनाइन



कॉरिडोर, लिफ्ट स्थान, सार्वजनिक बाथरूम एवं फुटपाथों पर किए गए स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों को नोटिस जारी कर समय सीमा में कार्रवाई होगी। साथ ही पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए मल्टीलेवल पार्किंग के उपयोग को बढ़ावा देने तथा ब्लॉकवार पार्किंग व्यवस्था बनाने पर भी सहमति बनी। बैठक में जल निकासी व्यवस्था, छतों एवं नालियों की नियमित सफाई, पानी की टैंकियों की सफाई, जलभराव की समस्या का समाधान तथा असमाजिक

गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा हुई। जेडीए अध्यक्ष ने कहा कि सिविक सेंटर को उसके मूल स्वरूप में वापस लाकर स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक बाजार के रूप में विकसित करना प्राथमिकता है। बैठक में जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, प्रभारी सीईओ संजय खरे सहित लीजधारी, व्यापारी एवं संस्थान संचालक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक माह लीजधारियों एवं व्यापारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

साइबर ठगों ने पति पत्नी और मां के बैंक खाते से डेढ़ लाख उड़ाए

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक निजी कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर और उनके परिवार को निशाना बनाते हुए तीन दिनों के भीतर विभिन्न बैंक खातों से 1 लाख 56 हजार 123 रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी कर दी। मामले की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पनागर थाना पुलिस के अनुसार, चंदन कॉलोनी निवासी शेष नारायण सोनी, जो एपीएआर इंडस्ट्रीज लिमिटेड में असिस्टेंट मैनेजर हैं, ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को उनकी पत्नी नेहा सोनी के मोबाइल नंबर से संचालित गुगल पे से जुड़े लेनदेन के दौरान उनकी मां सकुन सोनी के बैंक ऑफ इंडिया खाते से लिंक मोबाइल नंबर के माध्यम से पहले 30 हजार रुपये का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया गया। इसके बाद उसी खाते से कुल 60 हजार रुपये निकाल लिए गए।शिकायत के अनुसार, साइबर ठगों ने इसके अलावा शेष नारायण सोनी के आईसीआईसीआई बैंक खाते से भी 96 हजार 123 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। इस तरह तीन दिनों के भीतर परिवार के विभिन्न बैंक खातों से कुल 1 लाख 56 हजार 123 रुपये की धोखाधड़ी की गई।पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 318(4) बीएनएस तथा 66(डी) आईटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर बैकिंग ट्रांजेक्शन और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। साथ ही संबंधित खातों और लेनदेन की जानकारी जुटाई जा रही है।

हनुमानताल के पंचकुइयां क्षेत्र में चोरी की वारदात

सूना घर खंगाल लाखों के जेवर और नकदी पार

जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र के पंचकुइया इलाके में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय हुई, जब मकान मालिक परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।पुलिस के अनुसार, पंचकुइया निवासी मोहम्मद गुलाम, जो वाहन रिपेयरिंग का कार्य करते हैं, अपनी बुआ के निधन के बाद आयोजित दसवें के कार्यक्रम में शामिल होने

के लिए परिवार के साथ राजा चौक स्थित अपने पिता के घर गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी कर ली।कार्यक्रम से लौटने पर मोहम्मद गुलाम ने घर का मुख्य दरवाजा टूटा देखा। अंदर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी का लॉकर खाली मिला। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और लगातार बढ़ रही चोरी

की घटनाओं पर चिंता जताई।सूचना पर हनुमानताल थाना पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पूछताछ के लिए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।



कमलेश अग्रवाल 100 शिवभक्त कांवरियों के साथ 37वीं बार करेंगे कांवड़ यात्रा

जबलपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं नगर निगम जबलपुर के पार्षद कमलेश अग्रवाल लगातार 37वीं बार कांवड़ यात्रा का नेतृत्व करेंगे। वे करीब 100 शिवभक्त कांवरियों के साथ 8 अगस्त 2026 को अपराहन 3 बजे महानगरी एक्सप्रेस से जबलपुर रेलवे स्टेशन से पावन यात्रा के लिए रवाना होंगे। यात्रा के दौरान शिवभक्त वाराणसी पहुंचकर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर लगभग 130 किलोमीटर की नंगे पैर पदयात्रा करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। इसके पश्चात कांवरिया बाबा बासुकीनाथ धाम, दुमका पहुंचकर जलार्पण एवं दर्शन करेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार बाबा बैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ के दर्शन के साथ कांवड़ यात्रा पूर्ण मानी जाती है। कमलेश अग्रवाल पिछले 37 वर्षों से निरंतर इस धार्मिक यात्रा का नेतृत्व करते हुए सनातन संस्कृति, सेवा, श्रद्धा और आस्था की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के छात्रसंघ चुनाव संबंधी निर्णय का स्वागत करते हुए एनएसयूआई जिला जबलपुर ने सरकार से तत्काल अधिसूचना जारी कर प्रत्यक्ष छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की है। पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने कहा कि करीब नौ वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने से विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से वंचित रहना पड़ा। उन्होंने बताया कि एनएसयूआई छात्र नेता अर्दवान अंसारी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने राज्य शासन को सितंबर 2026 में छात्रसंघ गठन की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसे विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक अधिकारों की पुनर्स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय बताया।



एनएसयूआई ने मांग की कि सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों, लिंगदोह कमेट्री की सिफारिशों के अनुरूप शीघ्र चुनाव कार्यक्रम जारी करे और चुनाव प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से कराए जाएं, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी अपने मताधिकार का उपयोग कर सके। संगठन ने कहा कि छात्रसंघ लोकतंत्र की पहली पाठशाला है

सिहोरा तहसील शाखा भी आंदोलन में होगी शामिल

सिहोरा। तृतीय कर्मचारी संघ के तहसील अध्यक्ष अर्जुन गर्ग द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि 5 सूत्रीय मांगें 10 अगस्त तक पूरी न होने पर 18 अगस्त को पूरे प्रदेश में सभी जिलों में अपनी सुविधा समय अनुसार ज्ञापन सौंपा जाएगा ज्ञापन में 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता नवनियुक्त कर्मचारियों को 3 वर्ष तक 70,80,90 प्रतिशत का बंधन समाप्त करने सी पी सी टी की अनिवार्यता समाप्त करने कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को केशलेश सुविधा उपलब्ध कराने अनुकंपा नियुक्ति में सरलीकरण करने आदि मांगों को लेकर कलेक्टर की मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर संघ के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा, संरक्षक जयप्रकाश तिवारी,एस के प्रधान नितिन अग्रवाल, रत्नेश मिश्रा, रामाकांत तिवारी, नीलेश पटेल, राजेश पचौरी, राजेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी नेता उपस्थित रहेंगे।

नवीन पार्क में विधायक बरकडे ने किया पौधरोपण

सिहोरा। पर्यावरण संरक्षण और मातृशक्ति को समर्पित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत

सिहोरा। खितौला तिरहा स्थित नवीन पार्क में विधायक संतोष बरकडे ने अनेक लोगों की उपस्थिति में पौधारोपण किया। यह आयोजन अनुसूचित जाति मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष अशोक चौधरी के जन्मदिन पर आयोजित किया गया जिसमें अशोक,नीम, आम, बरगद सहित अनेक फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। विधायक बरकडे कहा कि एक पेड़ मां के नाम सिर्फ पौधारोपण नहीं है, बल्कि अपनी मां के प्रति सम्मान और धरती मां के प्रति कुतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिस तरह हम अपनी मां की देखभाल करते हैं, उसी तरह लगाए गए पौधों की भी देखभाल करें।इस अवसर पर पूर्व विधायक दिलीप दुबे,नगर पालिका



अध्यक्ष संध्या दुबे,राजेश दाहिया,अनुपम सराफ,नगर मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल,नीलू बाजपेयी,नीरज पांडे,अनंत नौगरहिया, अमित खत्री,

प्रमोद चौधरी, सुग्रीव सेन, सुनील चक्रवर्ती, सुष्मा बर्मन, रिक्रुध द्विवेदी, आशीष पटेल, अभिषेक पटेल, जितेन्द्र पटेल आदि उपस्थित थे।

श्रीमती शंकरा बाई- सुपर मार्केट के पास गंजीपुरा निवासी श्री छोटे लाल की धर्मपत्नी श्रीमती शंकरा बाई (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। सुश्री निधि गुलाटी- चौकीताल निवासी श्री बनारसी गुलाटी की पुत्री सुश्री निधि गुलाटी (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री जगमोहन चौरसिया- कृष्णा कॉलोनी सुहागी निवासी श्री जगमोहन चौरसिया (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री संतोष गौड़- ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी श्री संतोष गौड़ (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम मे किया गया। श्रीमती मीना दुबे- शाहीनाका गढ़ा निवासी श्री ओम प्रकाश दुबे (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राकेश कुमार तिवारी-

मनमोहन नगर अधारताल निवासी श्री राकेश कुमार तिवारी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री माधव बर्मन- बर्मन मोहल्ला पुराने ग्वारीघाट रेलवे स्टेशन के पास निवासी श्री माधव बर्मन (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार शमशान भूमि में किया गया। श्री दयाली उड्डेक- दुर्गा नगर गौरीघाट निवासी श्री दयाली उड्डेक (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती सुनीता तिवारी- छोटा फुहारा मिलौनीगंज निवासी श्री गया प्रसाद तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता तिवारी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री अनुराग चौधरी- संजय नगर

पोलीपाथर निवासी श्री चिंतामन चौधरी के पुत्र श्री अनुराग चौधरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री पूरन लाल चौधरी- प्रेमसागर झंडा चौक निवासी श्री पूरन लाल चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री दयाली उड्डेक- दुर्गा नगर गौरीघाट निवासी श्री दयाली उड्डेक (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती सुनीता तिवारी- छोटा फुहारा मिलौनीगंज निवासी श्री गया प्रसाद तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता तिवारी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री अनुराग चौधरी- संजय नगर

श्रीमती मंजू देवी श्रीवास्तव (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री आनंद स्वरूप पांडे- नानक नगर रांझी मानेगांव निवासी श्री आनंद स्वरूप पांडे (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्री संदीप स्वामी- एपीआर कॉलोनी 2, बिलहरी निवासी श्री गंगा स्वामी के पुत्र श्री संदीप स्वामी (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती आशा रैकवार- रामपुर एफसीआई गोदाम के पास निवासी श्री सुरेश रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती आशा रैकवार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शेक/उत्तरावन, एगड़ी रम, पुष्पतिथि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अपकृत्य	किंवदंति	वर्क	वर्क
अपकृत्य	किंवदंति	वर्क	वर्क
अपकृत्य	किंवदंति	वर्क	वर्क

सम्पर्क करें किताबन विभाग- 9303508294, 9407362160



तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार भाई-बहनों को सामने से मारी जोरदार टक्कर, दोनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ►► गाँजगीर-चांपा

जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम जावलपुर में तेज रफ्तार थार कार ने स्कूटी सवार भाई-बहन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान ग्राम दहकोनी निवासी विनोद कौशिक (25) और कापन निवासी खुशी कश्यप (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

वहीं, थार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। सीएसपी योगिताबाली खापड़ के अनुसार, कापन निवासी खुशी कश्यप मंगलवार शाम अपनी स्कूटी से ग्राम दहकोनी स्थित अपने भाई विनोद कौशिक के घर पहुंची थी। वहां से दोनों अपने मामा के गांव जावलपुर में आयोजित जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। स्कूटी विनोद चला रहा था।

बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम जावलपुर का मामला, आरोपी चालक गिरफ्तार



विपरीत दिशा से आया लापरवाह चालक, पुलिस ने किया वाहन जब्त

दोनों जावलपुर पहुंचने ही वाले थे कि बलौदा की ओर से आ रही तेज रफ्तार थार कार (सीजी 10 बीएम 7214) के चालक संस्कार ने विपरीत दिशा में आकर स्कूटी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही बलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और थार चालक संस्कार को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त थार को जब्त कर लिया है। बुधवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

समाज सुधारकों को मिलेगा 'गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स-3'

भोपाल। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे नायकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से सरस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के प्रति समर्पित नोडल संस्था '2030 का भारत' ने गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स-3 के लिए निःशुल्क नामांकन आमंत्रित किए हैं। इस सम्मान के माध्यम से क्वालिटी एजुकेशन, जीरो हंगर तथा अफोर्डेबल एंड क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था का मानना है कि समाज में वास्तविक परिवर्तन वही लोग लाते हैं, जो बिना किसी प्रचार या पहचान की अपेक्षा के वर्यों से लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में जुटे रहते हैं। 2030 का भारत' के फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा, देश केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं बदलता, बल्कि उनसे बदलता है जो दूसरों के जीवन में आशा और बदलाव लाने का कार्य करते हैं। इससे पहले दो संस्करणों में 7 राज्यों के 21 समाजसेवियों को सम्मानित किया जा चुका है। समिति ने नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं संगठनों से अपील की है कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति है, जो क्वालिटी एजुकेशन, जीरो हंगर अथवा अफोर्डेबल एंड क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, तो उसका नामांकन अवश्य भेजें। प्राप्त नामांकनों का विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा और चर्यानित परिवर्तनकर्ताओं को गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स-3 से सम्मानित किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है।

'कार्य नहीं, वेतन नहीं' के सिद्धांत के तहत घोषित किया अवैतनिक

करीब ढाई महीनों तक बिना अनुमति ड्यूटी से नदारद रहने वाला आरक्षक बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ►► बेनेतरा

पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त संदेश देते हुए बेनेतरा पुलिस ने 77 दिनों तक बिना अनुमति ड्यूटी से गायब रहने वाले आरक्षक विवेक पोद्दार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने के बाद एसपी त्रिलोक बंसल ने बर्खास्तगी का आदेश जारी किया। साथ ही अनुपस्थिति की पूरी अवधि को 'कार्य नहीं, वेतन नहीं' के सिद्धांत के तहत अवैतनिक घोषित किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार आरक्षक विवेक पोद्दार की ड्यूटी 3 जून

हुआ। अपर मुख्य सचिव मंडलोई ने आज मुंबई में टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन, ग्वालियर के लिए उद्योगपति और निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में 30 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आया। इसका 30 प्रतिशत अब तक धरातल पर आ चुका है। सेक्टर बेस्ड औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की दिशा में अब तक ग्वालियर में टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन, धार जिले में पीएम मित्र पार्क और नर्मदापुरम जिले के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तैयार करने के लिए ठोस कार्य हुआ है।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मप्र सरकार ने कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 32,070 करोड़ रुपए की योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके तहत आगामी वित्तीय वर्षों एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए जिला एवं सिविल अस्पतालों व औषधालयों के सुचारू संचालन किया जाएगा। इसमें 12 हजार 517 करोड़ रुपए, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच बढ़ाने के लिए 11 हजार 812 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसररचना मिशन (पीएमअमीम) के तहत स्वास्थ्य आपदाओं से निपटने व लैब नेटवर्क निर्माण के लिए 2,449 करोड़ रुपए तथा मलेरिया एवं वेक्टर जमित रोगों के प्रारंभिक नियंत्रण के लिए 1,705 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। बैठक में प्रदेश के युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं और स्टेडियम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खेल अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,460 करोड़ 57 लाख रुपए की योजना को स्वीकृति दी गई। ई-गवर्नेंस को मजबूती देने के क्रम में स्टेट डाटा सेंटर (एसडीसी) के उन्नयन, परिचालन एवं संधारण के लिए 1 हजार 99 करोड़ 58 लाख रुपए मंजूर किए गए।

गंभीर बीमारियों के नियंत्रण के लिए भी मंजूरी

जिला और सिविल अस्पताल एवं औषधालयों के संचालन को मंजूरी

कैबिनेट ने प्रदेश के जिला और सिविल अस्पताल एवं औषधालयों को एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक संचालन के लिए 12 हजार 517 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना से जिला चिकित्सालय में रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं एवं अस्पताल सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत मलेरिया सहित अन्य वेक्टरजनित रोगों को नियंत्रित किया जाता है, जिसमें नाप कीटनाशक और लार्टसाइड शामिल हैं।

क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण भी किया जाएगा

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसररचना मिशन (पीएमअमीम) के संचालन के लिए 2,448 करोड़ 79 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इस योजना के तहत जिला अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालय स्तर पर क्रिटिकल केयर ब्लॉक और इंटीग्रेटेड सार्वजनिक स्वास्थ्य लैब का निर्माण किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य युनित की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी।

प्रेम प्रसंगों में विवाद के चलते

तालाब में फेंका था शव

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिले अज्ञात युवती के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। जांच में सामने आया कि प्रेम संबंधों में चल रहे विवाद के दौरान युवती की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

राजधानी के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिले युवती के शव के मामले में पुलिस ने अहम खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान टिकरापारा निवासी के रूप में हुई है। पुलिस जांच के मुताबिक,

प्रेम संबंधों में अविश्वास और लगातार चल रहे विवाद के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, मृतका और आरोपी करण तांडी की जान-पहचान करीब तीन वर्ष पहले सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। बातचीत के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उनका रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। हालांकि पिछले कुछ समय से दोनों के बीच विवाद बढ़ गया था। प्रार्थनिक जांच में सामने आया है कि आरोपी को युवती के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का संदेह था, जिससे दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर युवती की गला दबाकर हत्या कर दी।

देश का पहला समर्पित टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन ग्वालियर

सचिव, केन्द्रीय दूरसंचार अमित अग्रवाल ने कहा कि मुंबई रोड-शो भारत के टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग मिशन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ग्वालियर का टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन देश का पहला समर्पित टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन है। उन्होंने कहा कि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार की साझेदारी से प्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर को नई दिशा मिल रही है। उद्योगों से ग्वालियर में निवेश कर भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

स्केल-अप प्रोडक्शन के लिए मप्र की ओर से निवेशकों को दिया जाने वाला प्रोत्साहन

पूजी अनुदान पात्र निवेश पर अधिकतम 50 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान, जिसकी अधिकतम सीमा 200 करोड़ रुपए होगी। अनुसंधान एवं विकास सहायता दी जाएगी। स्वतंत्र अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए परियोजना लाभात का 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 25 करोड़ रुपए तक की सहायता प्रदान की जाएगी। प्रत्येक नए कर्मचारी के प्रशिक्षण के लिए 13 हजार रुपए तक की सहायता उपलब्ध होगी। यह सुविधा अधिकतम 4 हजार कर्मचारियों तक प्रदान की जाएगी। भूमि प्रीमियम मात्र 1 रुपए की नाममात्र दर पर भूमि प्रीमियम का प्राधान्य है। वार्षिक लीज किराया 1 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से वार्षिक लीज किराया, जो 30 वर्षों तक स्थिर रहेगा। विद्युत सहायता उद्योगों को संचालन के प्रारंभिक 5 वर्षों तक विद्युत शुल्क में 2 रुपए प्रति युनित की रियायत प्रदान की जाएगी। जल शुल्क जल आपूर्ति के लिए 25 रुपए प्रति किलोलिटर की रियायती दर लागू होगी।

5 हजार रुपये तक का

रोजगार प्रोत्साहन उपलब्ध रोजगार प्रोत्साहन के लिए प्रत्येक कर्मचारी के लिए प्रतिमाह 5 हजार रुपए तक का रोजगार प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जाएगा। सक्सेस बंदरगाहों एवं हवाई माल परिवहन के माध्यम से होने वाले निर्यात पर मालमाड़ा व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसके तहत प्रति वर्ष अधिकतम 40 लाख रुपए तथा प्रति इकाई अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की सहायता 5 वर्षों के लिए उपलब्ध होगी। अपशिष्ट प्रबंधन पर होने वाले व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति का प्रावधान है। इसके अंतर्गत अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र (इंटीपी) की स्थापना के लिए अधिकतम 5 करोड़ रुपये तथा शुष्क द्रव अपशिष्ट निष्कासन प्रणाली के लिए भी अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी।

लोक निर्माण में चीफ इंजीनियर के 22 पदों पर होना है प्रमोशन

पीडब्ल्यूडी में प्रमोशन नहीं, पीएचई में ईएनसी, चीफ इंजीनियर बने

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मप्र सरकार की ओर से लागू की गई 2025 की प्रमोशन नीति के तहत पीएचई विभाग ने अपने यहां कार्यपालन यंत्री से अधीक्षण यंत्री, एसडीओ से कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री से चीफ इंजीनियर और चीफ इंजीनियर से ईएनसी के पदों पर प्रमोशन दे दिया। किंतु पीडब्ल्यूडी में जिन अधिकारियों की डीई चल रही है, उनकी सीआर एक्सीलेंस लिखने के मामले में तत्कालीन सीएस की ओर से उठाई गई आपत्ति के बाद पदेन्नति देने का मामला अटक गया है। लोक निर्माण विभाग में उप यंत्री से सहायक यंत्री, सहायक यंत्री से कार्यपालन यंत्री के पदों पर प्रमोशन दे दिया है, पर उपयंत्री से सहायक यंत्रियों के पदों पर दिए गए प्रमोशन में विवाद ठंडा नहीं हुआ है। कार्यपालन यंत्री से अधीक्षण यंत्री का मामला भी अधीक्षण यंत्री से चीफ इंजीनियर के पदों पर प्रमोशन नहीं होने से अटक गया है। इसके कारण चीफ इंजीनियर से ईएनसी के पद पर भी प्रमोशन नहीं मिल सका।

पीएचई ने 6 अधिकारियों को बनाया चीफ इंजीनियर

चीफ इंजीनियर से ईएनसी के एक ही पद पर प्रमारी प्रमुख अभियंता संजय कुमार अंधान को ईएनसी के पद पर प्रमोट कर दिया गया है। वहीं अधीक्षण यंत्री से चीफ इंजीनियर के पद पर अनुगार श्रीरामचंद्र, आलोक कुमार जैन तथा दिलीप कुमार जैन सिविल के पद पर प्रमोट हुए हैं। प्रमारी चीफ इंजीनियर संजय कुमार, परिक्षेत्र के राजेंद्र कुमार हिरोडिया तथा जबलपुर के प्रमारी चीफ इंजीनियर राजेश शतवर्धन मुख्य अभियंता के पद पर प्रमोट हुए हैं। इसके अलावा रिटायर्ड हो चुके अधीक्षण यंत्री पंकज रघुवंशी और सुबोध कुमार जैन को भी काल्पनिक पदेन्नति दे दी गई है।

मोबाइल फोन बना जांच का अहम सुराह

वारदात के बाद उसने पहचान छिपाने की नीयत से शव को खमतराई क्षेत्र स्थित डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के तालाब में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। मंगलवार को तालाब में शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल टीम और फाइम बांच के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को युवती का मोबाइल फोन मिला, जिसकी मदद से उसकी पहचान की गई। पहचान होने के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आरोपी करण तांडी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान मिले तथ्यों के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और विस्तृत खुलासा आधिकारिक रूप से किया जाएगा।

पीडब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिले युवती के शव की गुत्थी का खुलासा

विपक्ष ने शाह की गैरमौजूदगी पर उठाए सवाल खरगे ने कहा

एजेंसी► नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह संसद नहीं आ रहे हैं, क्योंकि वह छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरता के दोषी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, देश के गृह मंत्री मुंह छुपा रहे हैं क्योंकि वो छात्रों के गुनहगार हैं। इस दौरान उनके हाथ में कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए एक शख्स की तस्वीर है। विपक्ष लगातार सीजेपी के 'संसद चलो' मार्च के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई का मुद्दा उठा रहा है।

खबर संक्षेप

दिग्गज अभिनेता प्रदीप पंचतत्व में विलीन

मुंबई। गजनी' और 'लगान' जैसी फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता प्रदीप



रावत का 74 वर्ष की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवा को उनके बेटे विक्रम रावत ने नम

आंखों से उन्हें मुखाग्नि दी।आमिर खान और रजा मुलद समेत कई हस्तियां अंतिम यात्रा में शामिल हुईं।

एनएचआरसी ने दिल्ली पीसी को किया तलब

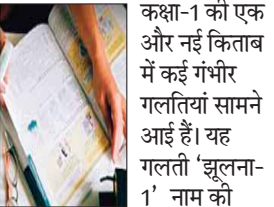
नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापनों के मामले में लापरवाही पर



एनएचआरसी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तलब किया है। उन्हें सितंबर को पेश होने को कहा है। यह मामला बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की एक रिपोर्ट से जुड़ा है। इंस्टाग्राम पर गलत एड दिखाए जा रहे थे।

कक्षा-1 की किताब में फिर छपी बड़ी गलती

भुवनेश्वर। ओडिशा में नई स्कूली किताबों में गलतियों का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब



कक्षा-1 की एक और नई किताब में कई गंभीर गलतियों सामने आई हैं। यह गलती 'झूलना-1' नाम की किताब में मिली है। इन नई गलतियों के सामने आने के बाद शिक्षक और पालकों में चिंता है।

अभिषेक को विदेश जाने की अनुमति नहीं मिली

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को टीएमसी राष्ट्रीय



महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बेनर्जी को आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने आदेश दिया।

चर्चा से क्यों भाग रहे, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री संसद में आकर बयान दें, हम चर्चा के लिए तैयार, इससे ही समाधान का रास्ता निकलेगा

हंगामा की भेंट चढ़ी संसद की कार्यवाही



अन्य नेताओं से सीख लें राहुल : सिंह

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी दूसरों पर ज्ञान ना बांटें। राहुल गांधी जैसा दुर्भाग्यपूर्ण विपक्ष का नेता भगवान ना करें कभी हो, इस देश ने महान विपक्ष के नेता देखें हैं मैं कहूंगा कि उनसे कुछ शिक्षा लें।

प्रश्नकाल में ठकावट डाल रहा विपक्ष



भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सत्र पर करोड़ों खर्च होने के बावजूद, प्रश्नकाल और शून्यकाल में रुकावट डाली जा रही है, जिससे सांसदों को अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दे उठाने का मौका नहीं मिल पा रहा है।

संसद में हंगामा सभापति बोले



राज्यसभा व लोकसभा दोनों ही सदनों में बुधवार को भी हंगामा जारी रहा। सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने के कुछ ही देर बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की नारेबाजी को देखते हुए कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही सदन

वेल में आने और प्लेकार्ड दिखाने पर होगी कार्रवाई

की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में हंगामे व नारेबाजी के बीच कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही संचालित रही, कुछ ही देर बाद स्थगित कर दिया गया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूँ कि वे सहयोग करें। सदन के वेल में कभी न आएं। तख्तियां कभी न दिखाएं। यदि कोई पालन नहीं करता है, तो कार्रवाई होगी।

विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर किया प्रदर्शन

जंतर मंतर में छात्रों ने हिंसा नहीं की प्रदर्शनकारियों के घर गुंडे भेजे गए

राहुल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी► नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करने वाले छात्रों के साथ मारपीट की गई, उन्हें धमकाया गया और उनके घरों तक लोगों को भेजा गया। राहुल ने कहा कि छात्रों ने कोई हिंसा नहीं की, बल्कि वे बेहतर शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा पेपर लीक रोकने की मांग कर रहे थे। उन्होंने छात्र आंदोलन में शामिल कई युवाओं से खुलकर बातचीत की। छात्रों ने उन्हें बताया कि प्रदर्शन के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें डराया-धमकाया गया। राहुल ने कहा कि खराब होती शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर छात्र व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं तो उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए जो युवाओं का भविष्य सुरक्षित करे और परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाएं बंद हों। उन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई और बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान कथित रूप से एके-47 के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। राहुल, प्रियंका गांधी वाड़ा और अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रेरणा स्थल स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।

धमकाने की भी बात कही



अन्य मुद्दों को भी उठाया

रिया ने बताया- उन्हें परेशान किया जा रहा

प्रेस वार्ता में छात्र आंदोलन से जुड़े कुछ युवा भी मौजूद थे। रिया अहीर ने कहा कि वह वही लड़की हैं, जो मुंबई पुलिस की गाड़ी के सामने खड़ी हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने 20 निर्दोष लड़कों को बचाने की कोशिश की थी। रिया ने आरोप लगाया कि अब उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। कार्यक्रम में वह युवती भी मौजूद थी, जिसे प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन लगी थी। इन

छात्रों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के बाद छात्रों के घरों तक गुंडे भेजे गए और एक 15 साल की लड़की से जबरन माफी मंगवाई गई। उन्होंने कहा कि किसी छात्र को इस तरह डराकर माफी मंगवाना पूरी तरह गलत है। कांग्रेस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करती।

सरकार को छात्रों की मांग सुननी चाहिए

राहुल ने कहा कि हजारों युवाओं ने संविधान, भारत की अवधारणा और देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की मांग सुननी चाहिए, न कि उन्हें डराना चाहिए। गृह मंत्री और प्रधानमंत्री सामने आकर सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि छात्रों की मांग केवल बेहतर शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक पर रोक और सुरक्षित भविष्य की है। राहुल ने कहा कि विपक्ष छात्रों की आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने और छात्रों के खिलाफ कथित कार्रवाई रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है और सरकार को छात्रों की शिकायतों का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें दबाने की कोशिश करनी चाहिए।

भाजपा का पलटवार-बोले भाटिया

राहुल 'गैर जिम्मेदार', वे सदन में आकर मुद्दे उठाएं



कांग्रेस के विरोध पर भाजपा ने पलटवार किया है। प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का काम सदन में आकर मुद्दे उठाना है, लेकिन राहुल गांधी सदन से दूर रहते हैं। उन्होंने राहुल को अपरिपक्व, पार्ट-टाइम और गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष बताया। नेता प्रतिपक्ष का काम सदन में मुद्दा उठाना है पर दुर्भाग्य है कि यहां मुद्दे उठाने की जगह भाग जाते हैं।

सीजेपी की अहम बैठक, दीपके बोले



पार्टी नहीं बनाएंगे, दबाव समूह के तौर पर करेंगे काम सीजेपी की कोर कमिटी की अहम बैठक महा राष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हुई। पार्टी नेताओं ने आंदोलन को जमीनी स्तर तक ले जाने और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अभियान जारी रखने की बात कही। अभिजीत दीपके ने कहा कि फिलहाल उनकी पार्टी एक दबाव समूह (प्रेसर ग्रुप) के रूप में काम करेगी।

छात्रों पर केस वापस लेने पर वकील ने कहा

कल जेन अल्फा, बीटा आ जाएगी सदन में घुसेंगे, गलत मिसाल बनेगी

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को किसी राजनीतिक फैसले के आधार पर वापस लिया गया, तो यह भविष्य के आंदोलनों के लिए खतरनाक मिसाल बन जाएगी। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, कल जेनरेशन अल्फा, बीटा, डेल्टा भी आएगी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि हाल के छात्र प्रदर्शनों में हिंसा से जुड़े मामलों को केवल किसी राजनीतिक समझौते के आधार पर वापस न लिया जाए।चीफ जस्टिस (सीजेआई) सुर्यकांत, जस्टिस जॉयमल्ल्य बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने इस मामले को छात्र प्रदर्शनों से जुड़े अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जा सकती है। मनीष कुमार सोलंकी की ओर से दायर याचिका में प्रदर्शन के आयोजकों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की गई है।



याचिकाकर्ता के वकील: भड़काऊ बयान दे रहे

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रिजवान अहमद ने कहा, यह प्रदर्शन मंत्री और पुलिस की जवाबदेही को लेकर था। हम इसे स्वीकार करते हैं। 15 दिन बीत चुके हैं। लेकिन आयोजकों की जवाबदेही का क्या? वे एक चैनल से दूसरे चैनल पर जाकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और अगर को शांत करने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन तथाकथित आयोजकों की जवाबदेही कहां है? मैं उन्हें तथाकथित आयोजक इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यह कोई पंजीकृत संगठन नहीं है। उनका इशारा 'सीजेपी' की ओर था, जिसने नीट 2026 पेपर लीक के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन का आह्वान किया था। रिजवान ने कहा कि कानून के मुताबिक किसी भी सभा या प्रदर्शन के दौरान अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो उसके लिए आयोजक भी जिम्मेदार होते हैं।

सीजेआई ने सावधानी रखने की बात कही



सीजेआई ने कहा कि इस स्थिति को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। युवाओं को भरोसा दिलाना होगा कि उनकी बात सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को भी बहुत संयम बरतना चाहिए, ताकि अगर कोई घटना हो भी जाए तो हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। उन्होंने कहा, हमें बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा, ताकि युवा हिंसा का रास्ता न अपनाएं। बेहतर तरीका यही है कि उन्हें समझाया जाए और शांत किया जाए कि सबसे ताकतवर व्यवस्था उनकी बात सुन रही है। इसके बाद बेंच ने इस मामले को पहले से लंबित दूसरे मामलों के साथ जोड़ दिया।

गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट पर हाईकोर्ट बोला

ई-20 पर 'आपत्तिजनक' कंटेंट को तुरंत हटाएं

एजेंसी► मुंबई

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट को लेकर बाँब्वे हाईकोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ की गई ऑनलाइन पोस्ट धिनीने, अश्लील, अपमानजनक और मानहानि करने वाले हैं। कोर्ट ने ऐसे सभी पोस्ट हटाने का आदेश दिया है। ई20 प्यूल् विवाद के बीच कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने गडकरी को अंतरिम राहत दी।

मदरसों में वंदे मातरम पर हाईकोर्ट ने कहा पूरे 6 छंद गाइए, आसमान नहीं टूट पड़ेगा



कोलकाता। मदरसों में वंदे मातरम गाने को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कई अहम मौखिक टिप्पणियां की। कोर्ट ने कहा कि अगर मदरसों में वंदे मातरम गाया जाए तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ईसाई स्कूलों में होने वाली प्रार्थना का भी जिक्र हुआ। इसलके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

नड्डा ने पूर्वोत्तर में लिया बाढ़ का जायजा

एजेंसी► गुवाहाटी

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और कहा कि नुकसान इतना अधिक है कि पुनर्निर्माण में समय लगेगा। नड्डा ने बाढ़ पीड़ितों से कहा कि केंद्र आपके साथ है, राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं होगी। नड्डा ने सीएम के साथ शिवसागर के नेपालीखुंटी इलाके का दौरा किया। यह बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है, पुनर्निर्माण में समय लगेगा, भारत सरकार कोई कमी नहीं छोड़ेगी

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर मरोसा दिलाया

40 फीसदी भूमि बाढ़ के खतरे में



असम में लगभग 40 प्रतिशत भूमि बाढ़ के खतरे में है। भौगोलिक स्थिति, भारी मानसूनी बारिश, गाद से भरी नदियां, वनों की कटाई और नदी-किनारों के कटाव के कारण यह राज्य विशेष रूप से बाढ़ के प्रति संवेदनशील हो गया है।

असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर

असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को भी गंभीर बनी हुई है। निचले इलाकों में एक बार फिर जलभराव का खतरा है। इस बीच बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है जबकि 3 जिलों में 1.22 लाख लोग अब भी प्रभावित हैं। राज्य में 1,22,100 से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें शिवसागर सबसे अधिक प्रभावित जिला है जहां करीब 60,000 लोग बाढ़ की चपेट में हैं।

संभल हिंसा पर बोला जांच आयोग

सपा सांसद व विधायक भी थे इस साजिश का हिस्सा

एजेंसी► संभल

नवंबर 2024 में हुई हिंसा को लेकर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट सामने आने के बाद सियासी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिंसा अचानक नहीं हुई थी बल्कि पहले से तैयार साजिश काफ काम कर रही थी। आयोग ने कहा है कि हालात बिगड़ने से पहले माहौल को प्रभावित करने वाली गतिविधियां लगातार चल रही थीं। सपा सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल समेत कई लोगों की भूमिका का जिक्र किया गया है।



सर्वे को लेकर फैलाई गलत जानकारी

जुड़े सर्वे को लेकर मुस्लिम समुदाय के बीच कई तरह की गलत साजिश काफ फैलाई गई। इससे लोगों में भ्रम और नाराजगी बढ़ी। आयोग का कहना है कि इसी माहौल का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में लोगों को एक जगह जुटाया गया।

एजेंसी► रांची

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का बेमियादी आंदोलन बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। रांची के धरना स्थल पर छात्रों के समर्थन में पिछले 4 दिन से अनशन पर बैठे जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो की बुधवार को पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से बातचीत हुई।वांगचुक ने महतो से अनशन समाप्त करने का आग्रह किया। इसके बाद उन्होंने पानी पीया। आंदोलन जारी रहेगा।

सोरेन ने छात्रों को बातचीत के लिए बुलाया, प्रस्ताव लेकर पहुंचे अधिकारी

सीएम हेमंत सोरेन की पहल पर दो अधिकारी सरकार की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव लेकर आंदोलनकारी छात्रों के पास पहुंचे। सोरेन ने सीएम हाउस आने का न्योता दिया है।



प्रतिनिधि ने अनशनरत छात्रों से उनकी समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों की आवाज से पूरी तरह अवगत हैं और उनके साथ खड़े हैं।

इन छात्रों के संघर्ष के साथ खड़े: राहुल

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितता पर सड़क पर उतरे छात्र

आग्रह पर महतो ने पीया जल, भूख हड़ताल जारी रहेगी

देश के 4 राज्यों में छात्रों ने किया आंदोलन, राजनीतिक रूप भी लिया

सोरेन ने छात्रों को बातचीत के लिए बुलाया, प्रस्ताव लेकर पहुंचे अधिकारी

सीएम हेमंत सोरेन की पहल पर दो अधिकारी सरकार की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव लेकर आंदोलनकारी छात्रों के पास पहुंचे। सोरेन ने सीएम हाउस आने का न्योता दिया है।



प्रतिनिधि ने अनशनरत छात्रों से उनकी समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों की आवाज से पूरी तरह अवगत हैं और उनके साथ खड़े हैं।

शिमला में भाजपा का हल्ला

जयराम और बिंदल के नेतृत्व में विशाल प्रदर्शन शिमला। हिमाचल प्रदेश के मानसून सत्र से पहले भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन करते हुए सचिवालय की ओर मार्च निकाला। प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, पार्टी के विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

पेपर लीक पर चंडीगढ़ में प्रदर्शन पुलिस ने किया लाठीचार्ज, वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया

चंडीगढ़। पंजाब में फार्मसी परीक्षा का विवाद सड़कों तक पहुंच गया। एबीवीपी और पंजाब यूथ कांग्रेस ने विधानसभा की ओर मार्च निकालने का प्रयास किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वाटर कैनन भी था।

राजस्थान में मूक-बधिर छात्रों का धरना 6 सूत्री मांगों को लेकर सड़क पर उतरे जयपुर। यहां राजकीय सेट आनंदीलाल पोद्दार सीनियर सेकेंडरी स्कूल फॉर द डेफ में मूक-बधिर छात्र 6 मांगों को लेकर स्कूल के बाहर धरने पर हैं।

अधिकारी भ्रमण कर करें आमजन से संवाद

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

जबलपुर। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 की तैयारियों और जिले में चल रहे शासकीय निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जन-विश्वास सुशासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर नागरिकों से संवाद करें और सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं लोक सेवा गारंटी के तहत प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष जाखड़, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नीता राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित



रहे।कलेक्टर ने ऊर्जा, शिक्षा, पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, खाद्य, सामाजिक न्याय, श्रम और वन विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बिजली आपूर्ति, स्कूलों में

सुविधाओं, लंबित प्रकरणों के निराकरण, आयुष्मान कार्ड निर्माण, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद उपलब्धता, राशन वितरण, प्राकृतिक खेती, गौशाला संचालन और वनाधिकार योजनाओं की

प्रगति पर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने उद्योग, स्वरोजगार, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, रोजगार मेलों, एमएसएमई प्रोत्साहन योजना और स्टार्टअप नीति से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा करते हुए विभागों को आपसी समन्वय से अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए।

अभियान के लिए दिशा-निर्देश जारी

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित रोस्टर और विकासखंडवार कैलेंडर का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक शुक्रवार को अभियान दिवस के रूप में क्षेत्र भ्रमण करने, अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने, टीमवार ड्यूटी आदेश जारी करने और अधीनस्थ अमले की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। अभियान 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा।



कांग्रेस के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, संगठन सशक्त बनाने पर जोर

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर के संयुक्त तत्वावधान में कुष्मण रिशेठ, पाटन बाईपास स्थित परिसर में ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्षों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि पहले दिन पांच प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें ललित सेन, आनंद जाट, आरिफा खान, जितेंद्र वर्मा, संजय कामले एवं प्रेमिल मित्रा ने कांग्रेस की विचारधारा, संगठन की कार्यप्रणाली, नेतृत्व क्षमता, बुध प्रबंधन और जनसंपर्क को मजबूत बनाने पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि शिविर के दूसरे दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रमारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उर्मण सिधार कार्यक्रमोंओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, शहर अध्यक्ष सोरभ शर्मा, शहर प्रमारी राजकुमार खुराना, विधानसभा प्रमारी परम यादव, विवेक पांडे, महेंद्र जैन, दीपेशु यादव, राकेश तिवारी, समीर सिंह राठौर, अमिनवद, संगठन महासचिव राजेश पटेल, रितेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ब्लॉक, मंडल अध्यक्ष एवं कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।



इनरव्हील क्लब ऑफ जबलपुर साउथ का 32वां पदस्थापना समारोह संपन्न

जबलपुर। इनरव्हील क्लब ऑफ जबलपुर साउथ का 32वां पदस्थापना समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेखा परमार एवं विशिष्ट अतिथि, डिस्ट्रिक्ट एडिटर प्रज्ञा माहिले ने दीप प्रज्वलित कर किया। वर्ष 2026-27 के लिए नीति अवस्थी ने अध्यक्ष तथा नूपुर अग्रवाल ने सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए वर्ष की थीम 'श्रयो एंड फ्लोरिश' (बढ़ें, खिलें और समाज को भी खिलने दें) घोषित की गई। समारोह का मुख्य आकर्षण ऑटिज्म जागरूकता पर आधारित विशेष प्रस्तुति रही, जिसमें बच्चों ने संवेदनशीलता और समावेशिता का संदेश दिया। पैरालंपिक विजेता ईशान के स्कर्टिंग प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। विकलांग सेवा भारती के विशेष बच्चों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। क्लब ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए गलगला सरस्वती शिशु मंदिर की प्राचार्या को छात्राओं के लिए खेल सामग्री भेंट की तथा क्लब स्मारिका इन्फोमेशन का विमोचन किया। कार्यक्रम में क्लब के छह नए सदस्यों ने सेवा कार्यों के लिए शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 326 की पीडीसी राज रूपराह, पीडीसी मनीषा श्रीवास्तव सहित क्लब सदस्य एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।



ननि के समी उद्यान होंगे व्यवस्थित, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का समय-सीमा में होगा निराकरण

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने समी विभागीय प्रमुखों एवं संगामीय अधिकारियों को फील्ड में रहकर नागरिक समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के समी उद्यानों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। निगमायुक्त ने 7 अगस्त को पनागर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संगमा कर्माक 15 सुद्यानों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जन विचारस अभियान शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न समस्याओं का समाधान एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर में पीएम स्वनिधि योजना, सबल योजना, क्रेडिट कार्ड, नल कनेक्शन, आवासीय परियोजना, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, बाजार लाइसेंस, फायर एनओसी, भवन अनुज्ञा, विद्युत व्यवस्था सहित सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पारदर्शी एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए। बैठक में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, व्ही.एन. बाजपेयी, सौरभ मिश्रा, अशफाक परवेज कुरेशी, मनोज श्रीवास्तव, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त श्रीमती अकिता जैन, श्रीमती शिवानी महाजन सहित सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।



कांवड़ यात्रा मार्ग को सुगम और सुरक्षित बनाने विधायक अशोक रोहाणी ने दिए निर्देश

जबलपुर। आगामी कांवड़ यात्रा एवं संस्कार कांवड़ यात्रा को देखते हुए कैंट विधायक अशोक हंश्वरदास रोहाणी ने जल शोधन संयंत्र, राहड़ी से गोकुलपुर सड़पाया तक मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए मार्ग को शीघ्र सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाया जाए। विधायक रोहाणी ने कहा कि मार्ग पर आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे किए जाएं, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के सुरक्षित यात्रा पूरी कर सकें। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य एवं पार्षद जगमोद सोनी, मंडल अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सेनार, पार्षद अकुराण दहिया, पार्षद निशांत झरिया, हेमराज सराठ तथा सुधीर बेन (बंटी रजक) सहित अन्य कार्यकर्ता एवं अधिकारी मौजूद रहे।

शक्ति भवन में गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के तत्वावधान में विद्युत कंपनियों के मुख्यालय शक्ति भवन में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को उत्साह और गरिमामय ढंग से मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) क्रिज कुमार मेश्राम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समारोह की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, मध्यप्रदेश पावर जनरेंटिंग कंपनी, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी एवं मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संयुक्त कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

क्रिज कुमार मेश्राम ने बताया कि शक्ति भवन को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। समारोह में सुरक्षा विभाग के जवानों की परेड, बैंड दल द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति, उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्युत अभियंताओं एवं कर्मचारियों का सम्मान, न्यूनतम विद्युत दुर्घटना वाले सर्किल को चलित शील्ड तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के बाल कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे। बैठक में नितिन खत्री, पराग मिश्रा, मिलिन्द चौधरी, आरएन यादव, रमेश कुमार अय्यर, राकेश सोनी एवं अर्जुन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



मानव तस्करी रोकने जीआरपी का जागरूकता अभियान

जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर पर थाना जीआरपी द्वारा मानव तस्करी की रोकथाम एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यात्रियों, महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों को मानव तस्करी से बचाव के उपाय, इसके दुष्परिणाम तथा पुलिस हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए सदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया। टीम ने पंपलेट वितरित कर नौकरी, विवाह, शिक्षा सहित अन्य प्रलोभनों के माध्यम से होने वाली तस्करी से सतर्क रहने की अपील की। अभियान में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत, एसएसआई गोपाल सिंह, नसीम बानो, प्रधान आरक्षक जुमरत बी, गीता मिश्रा, अजय, ललिता, महिला आरक्षक मनीषा, प्रिया तथा आरक्षक अमित सहित जीआरपी का स्टाफ मौजूद रहा।

पेड़-पौधे महादेव के गण, प्रकृति संरक्षण ही सच्ची शिवभक्ति: विचित्र दास महाराज

जबलपुर। शांति नगर में आयोजित पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं शिव महापुराण कथा के शुभारंभ अवसर पर विचित्र दास महाराज ने कहा कि सतयुग में भगवान शिव ने हलाहल विष पीकर देवताओं की रक्षा की थी, वहीं कलयुग में पेड़-पौधे महादेव के गण बनकर प्रदूषण रूपी विष को ग्रहण कर मानव जीवन की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को हरी-भरी प्रकृति प्रिय है, इसलिए सावन माह में अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनकी सेवा करना ही सच्ची शिवभक्ति है।कथा का शुभारंभ श्री राम मंदिर, त्रिमूर्ति नगर से निकली शोभायात्रा के साथ हुआ, जो अघोरी बाबा मंदिर होते हुए आयोजन स्थल पहुंची। महादेव के जयकारों के बीच जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रकृति संरक्षण और जल बचाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर आनंद कुमार, मिथिलेश शुक्ला, पूर्व एमआईसी सदस्य श्रीराम शुक्ला, व्यापारी संघ अध्यक्ष संजय उपाध्याय, अर्चना तिवारी, ज्योति रमक, अर्चना अग्रवाल, यामिनी शुक्ला, पुष्पराज पांडे, गोविन्द राय, रीतेश अग्रवाल, रानी दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



फर्नीचर फैक्ट्री के श्रमिकों ने श्रम कानून उल्लंघन की जांच की मांग

जबलपुर। आधारताल स्थित एक फर्नीचर फैक्ट्री के सैकड़ों श्रमिकों ने कलेक्टर जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर श्रम कानूनों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया। श्रमिकों ने कहा कि वर्षों से कार्यरत होने के बावजूद उन्हें पीएफ, बीमा, न्यूनतम मजदूरी, साप्ताहिक सवैतनिक अवकाश तथा महिला श्रमिकों को मातृत्व लाभ जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने कार्यस्थल पर दुर्घटना या बीमारी की स्थिति में उपचार व वेतन नहीं मिलने, नकद



भुगतान, हाजिरी रजिस्टर नहीं रखने और

विवोध करने पर नौकरी से निकालने की

धमकी देने के भी आरोप लगाए। श्रमिकों ने फैक्ट्री की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा शासन की श्रमिक हितैषी योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। इस दौरान राम गोपाल यादव, धनु गुप्ता, अनिल केवट, बिन्नु सोनु पटेल, दिलीप कुमार कुशवाह, गणेश प्रसाद विश्वकर्मा, अर्जुन चौधरी, रमेश सोनी, प्रदीप सरैया, मोहम्मद अंसारी, नीलेश झारिया, विनोद विश्वकर्मा, विवेक पटेल सहित सैकड़ों श्रमिक एवं शिवसेना पदाधिकारी-कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15453218M Rank SEP/AA Name- JITENDRA YADAV S/O RAMKARAN OF UNIT MH JABALPUR (M.P.) R/O- VILL-KODARI, PO-TANDA, TEH-DHANGHATA DIST- SANT KABIR NAGAR, UTTAR PRADESH-272165 solemnly declare and affirm on oath under-I state that I am presently residing at the above mentioned address. I state that in my Brother, Aadhar card my Brother Name BALENDRA YADAV (name is true and correct by in my Army service Record my Brother Name is recorded BALENDRA Which is incorrect. I state that true and correct Name my Brother BALENDRA YADAV and same Name shall be corrected in my Army service Record. I state that for the above variation change Name my Brother this affidavit is being furnished.
CORRECT NAME BALENDRA YADAV INCORRECT NAME BALENDRA

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, GUNDU SHETTU PARAMAKE is legally Father of No 15730757W Rank NK Name SAGAR GUNDU PARAMAKE presently, residing at VILL - HONAGA, PO - HONAGA, TEH - BELAGAVI, DIST - BELAGAVI (KARNAKATA)- 591156 I, have changed my name and date of birth from name GUNDU and date of birth 01/07/1958 (Name and date of birth as per my SON, Army service records) to name GUNDU SHETTU PARAMAKE and date of birth 01/01/1958 (name and date of birth as per my AADHAR CARD NO. 5956 5916 3778) vide affidavit dated 05/08/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME GUNDU SHETTU PARAMAKE INCORRECT NAME-GUNDU
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1958 INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1960

CHANGE OF NAME
I, RESHMA GAYEN (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No 15730892K Rank LNK Name MUVAJJAM ALI GAYEN presently, residing at VILL - HONAGA, PO - HONAGA, TEH - BELAGAVI, DIST - BELAGAVI (KARNAKATA)- 591156 I, have changed my name and date of birth from name BALABAI and date of birth 01/01/1965 (Name and date of birth as per my Husband Army service records) to RESHMA KHATUN (name as per my AADHAR CARD NO. 6686 2906 4367, VOTER ID, AND EDUCATIONAL DOCUMENTS) vide affidavit dated 05/08/2026 formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME RESHMA KHATUN INCORRECT NAME BALABAI
CORRECT NAME RESHMA GAYEN

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, BALABAI GUNDU PARAMAKE is legally Mother of No 15730757W Rank NK Name SAGAR GUNDU PARAMAKE presently, residing at VILL - HONAGA, PO - HONAGA, TEH - BELAGAVI, DIST - BELAGAVI (KARNAKATA)- 591156 I, have changed my name and date of birth from name BALABAI and date of birth 01/01/1965 (name and date of birth as per my SON, Army service records) to name BALABAI GUNDU PARAMAKE and date of birth 01/01/1965 (name and date of birth as per my AADHAR CARD NO. 6134 6372 3884) vide affidavit dated 05/08/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME BALABAI GUNDU PARAMAKE INCORRECT NAME-BALABAI
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1965 INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1966

आशीष दुबे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी व अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्तू', जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू सहित भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

मुसावल-कटनी-मुसावल एक्सप्रेस एक-एक ट्रिप रहेगी निरस्त

जबलपुर। मध्य रेल के मुसावल मंडल में भादवी-जलगंव रेलखंड पर पांचवीं रेललाइन कनेक्शन के लिए प्री-एनआई एवं नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते गाड़ी संख्या 19013/19014 मुसावल-कटनी-मुसावल एक्सप्रेस को एक-एक ट्रिप के लिए निरस्त किया गया है। गाड़ी संख्या 19013 मुसावल-कटनी एक्सप्रेस 12 अगस्त 2026 को मुसावल से तथा 19014 कटनी-मुसावल एक्सप्रेस 14 अगस्त 2026 को कटनी से संचालित नहीं होगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले एनटीईएस/139 रेल मंडल के माध्यम से ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

नाम सुधार
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मैं MOHAMMAD SHAMIM AHMED S/O ABDUL KAREEM, Pan 301, 302, Hussain Chowk, Naya Mohalla, District Jabalpur (M.P.) का निवासी हूँ। मैं पारंपरिक क्रमांक 119948669 में मेरा MOHAMMAD SHAMEEM दर्ज है, जो कि गलत एवं असुर है। जबकि मेरे ससुराल शासकीय एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा सही एवं पूर्ण नाम MOHAMMAD SHAMIM AHMED S/O ABDUL KAREEM दर्ज है। अतः सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि आज दिनांक से मेरा सही नाम MOHAMMAD SHAMIM AHMED S/O ABDUL KAREEM ही माना, पढ़ा एवं लिखा जाए।
सही नाम: MOHAMMAD SHAMIM AHMED S/O ABDUL KAREEM
गलत नाम: MOHAMMAD SHAMEEM

CHANGE OF SURNAME
I, SNEH LATA is legally wedded spouse of No JC-292454P Rank Sub Name Shiv Pujan Tiwari Presently residing at (Address) Vill - Bhagwanpur, Post Dheka Pakhanpur, Distt-Sultanpur, State Uttar Pradesh PIN- 228151 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows: I have changed my Name from SNEH LATA (Name of spouse as per NOK Records) to (Proposed New Name of Spouse) SNEH LATA TIWARI due to (reason for change) my SURNAME (TIWARI) are as per (Aadhar Card No 5841 436707799 and PAN Card No BCCPL8668Q) not recorded in my husband Service Records (Sheet Rolly) and its required to be endorsed in service records of my husband SNEH LATA and SNEH LATA TIWARI pertain to one and the same person. I shall at all times hereafter in all records, dealings and writing and in all proceedings dealing with transactions, private as well as under all occasions whatsoever be known as only (New Name) SNEH LATA TIWARI. That what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information belief. Nothing material has been concealed there from.

भारत में प्रैक्टिस मैच नहीं खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

एजेसी ►► मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि उनकी टीम अगले वर्ष भारत के खिलाफ होने वाली बहुचर्चित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी। उनका मानना है कि उपमहाद्वीप जैसी परिस्थितियों में छोटा तैयारी शिविर टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित होगा। पांच टेस्ट मैचों की यह बहुप्रतीक्षित श्रृंखला 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में पिछली बार 2004-05 सत्र में टेस्ट श्रृंखला जीती थी। इसके बाद से वह भारतीय सरजमीं पर कोई टेस्ट श्रृंखला अपने नाम नहीं कर सका है।

21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी सीरीज

कुहनेमैन मर्फी संभावित खिलाड़ियों में शामिल



रिपोर्ट के अनुसार मैथ्यू कुहनेमैन, टॉड मर्फी, कूपर कोनोली, पीटर हैड्सकॉम्ब और मैथ्यू रेंनशॉ भारत दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। भारत की परिस्थितियों के अनुरूप कुछ अलग कोशल वाले खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। इसलिए जरूरी नहीं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में शामिल टीम ही भारत दौरे पर जाए। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता होगी और इसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में ही कर दी जाएगी।

हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे : मैकडोनाल्ड

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हमें लगता है कि परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इसलिए हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे। हमारा पूरा ध्यान ऐसी जगह तैयारी करने पर होगा, जहां भारत जैसी परिस्थितियां मिल सकें। उन्होंने बताया, 'टीम के सामने दो विकल्प हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले संयुक्त अरब अमीरात में भी तैयारी कर चुका है और 2023 के भारत दौरे से पहले बैंगलुरु में शिविर लगाया था। फिलहाल टीम प्रबंधन इस बात पर विचार कर रहा है कि खिलाड़ियों की तैयारी के लिए कौन-सा विकल्प सबसे उपयुक्त रहेगा।'

एजेसी ►► नई दिल्ली

आईसीसी ने अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी ने ये मैच फरवरी और मार्च के बीच करने का शेड्यूल बनाया है। टूर्नामेंट का फॉर्मेट पहले ही बताया जा चुका है और इसके रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन क्वालिफायर के वेन्यू (जगहें) अभी तय नहीं हुए हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी जोरों पर है। यह पक्ता हो गया है कि क्वालिफाइंग मैच लगभग एक महीने तक, 22 फरवरी से 23 मार्च के बीच खेले जाएंगे। इन मैचों से तय होगा कि कौन सी टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेगी। हालांकि वर्ल्ड कप की सही तारीखों का अभी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे और इन देशों के 12 स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे।



ऐसा होगा क्वालिफाइंग फॉर्मेट

क्वालिफाइंग फॉर्मेट की बात करें तो इसमें कुल 10 टीम हिस्सा लेंगी। जीतने वाली टीमों को वनडे वर्ल्ड कप में सीधे एंट्री मिलेगी, जिसमें 14 देश हिस्सा लेंगे। दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों सबसे पहले 'सुपर सीरीज' में हिस्सा लेंगी। इस सीरीज में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम 12 टीमों की लाइनअप में शामिल होगी और वर्ल्ड कप के लिए आगे बढ़ेगी। असल में, सुपर सीरीज को ही वर्ल्ड कप इवेंट का हिस्सा माना जाएगा।

रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों को फायदा

आईसीसी ने तय किया है कि 30 सितंबर 2026 तक आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों सीधे क्वालिफाई करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। मेजबान के तौर पर साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। इसका मतलब है कि कुल 10 टीमों मुकाबला करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों, क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 स्टेडिंग की टॉप चार टीमों और वर्ल्ड कप क्वालिफायर प्ले-ऑफ से चार टीमों।

खबर संक्षेप



15 अक्टूबर से डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप नई दिल्ली। शुभंकर शर्मा और अनिबान लाहिड़ी 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि इसमें रोरी मैकलरॉय और गत चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड जैसे दिग्गज भी भाग लेंगे। चार मिलियन डॉलर इनामी राशि का यह टूर्नामेंट 'रेस टू दुबई' के 9 टूर्नामेंटों में आठवां है। डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप दुबई में नवंबर में होगी। शर्मा और लाहिड़ी के साथ इसमें गत ओपन चैंपियन रियान फॉक्स, शेन लॉरी, जस्टिन रोस, यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप स्टार विक्टर होवेलैंड भी नजर आएंगे।

पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी 4 भारतीय



लंदन। दीक्षा डागर और अदिति अशोक समेत 4 भारतीय गोल्फर 20 लाख डॉलर इनामी राशि के लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) की पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी। दीक्षा दो बार एलईटी खिताब जीत चुकी हैं। वह लगातार शीर्ष दस में रही हैं और फिलहाल 'आर्डर आफ मेरिट' में आठवें स्थान पर है। वह 2023 में शीर्ष तीन में रही थीं। पांच बार की एलईटी विजेता अदिति अभी तक एलपीजीए टूर पर जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं। उनके अलावा अरविन प्रशांत और प्रणवी उर्स भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी, जिसमें 120 खिलाड़ी नजर आएंगे।

आज से रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप



नई दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला की अगुवाई में भारतीय टीम रॉटरडम में गुरुवार से शुरू हो रही रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने उतरेगी। भारत की छह सदस्यीय टीम का ऐलान रैकेटलॉन भारत खेल संघ ने किया, जिसमें चौफला, प्रशांत सेन, मोनिश मशरुवाला, अक्षय गांधी, राघव जटिया और निधि तिवारी शामिल हैं। यह टीम चैलेंज कप में भाग लेगी, जिसमें भारत ने पिछले साल खिताब जीता था। रैकेटलॉन अनूदा खेल है, जो टेबल टेनिस, बैडमिंटन, स्क्वाश और टेनिस का मिश्रण है और चारों खेलों के कुल स्कोर मिलाकर विजेता का चयन होता है।

गिल की कप्तानी में जुड़ेगा एक और नया अध्याय

एजेसी ►► कोलंबो

भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। जब 15 अगस्त को दोनों टीमों पहले टेस्ट के लिए आमने सामने होंगी तो वो एक ऐतिहासिक मैच बन जाएगा। दुनिया की केवल दो ही टीमों ऐसी हैं, जो अब तक 600 टेस्ट मैच खेल पाई हैं, अब उसमें भारत का नाम भी शामिल हो जाएगा। ये एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो भारत की आजादी की वर्षगांठ के दिन मिलेगी। इस बीच टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच चुकी है और जल्द ही तैयारी भी शुरू हो जाएगी। भारतीय टीम अब तक 599 टेस्ट मैच खेल चुकी है और श्रीलंका के खिलाफ गॉल में होने वाला मुकाबला 600वां मैच होगा।

आजादी से पहले खेल लिया था पहला टेस्ट

भारत ने अपना पहला टेस्ट आजादी से पहले ही खेल लिया था। पहला मुकाबला 1932 में खेला गया था। तब भारत के कप्तान सीके नायडू हुआ करते थे, तब से लेकर अब तक इतना लंबा सफर तय किया गया है, जोकि अपने आप में ऐतिहासिक रहा है। इस बीच 1932 से लेकर अभी तक कई टेस्ट कप्तान रहे, लेकिन अब शुभमन गिल की कप्तानी में एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है।



सागरा नैन



आकिब नबी

इंग्लैंड ने खेले सबसे ज्यादा टेस्ट, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया

अब तक केवल दो ही टीमों ऐसी हैं, जो 600 टेस्ट का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट तो इंग्लैंड ने ही खेले हैं। टीम अब तक 1097 टेस्ट खेल चुकी है। उसकी बराबरी करना किसी के लिए भी करीब करीब असंभव टाइटल का है। इंग्लैंड ने अपना पहला टेस्ट 1877 में खेला था। इसके बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है। ऑस्ट्रेलिया ने भी अपना पहला टेस्ट साल 1877 में ही खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 882 टेस्ट खेल चुकी है।

सिनसिनाटी ओपन नहीं खेलेंगे अल्काराज

सिनसिनाटी। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाई कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए। यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है। स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे। यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है। टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बारसिलोना ओपन था। इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं। हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे। यूएस ओपन में उनकी वापसी की उम्मीदें हालांकि बरकरार हैं।



बीच टूर्नामेंट में मार्करम ने छोड़ा एमएसजी का साथ



बटलर बने कप्तान

एजेसी ►► नैनचेस्टर

'द हंड्रेड' के मौजूदा सीजन के बीच मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (एमएसजी) को एक झटका लगा है। टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से टूर्नामेंट को बीच में ही छोड़कर घर लौट गए हैं। उनके स्थान पर माइकल ब्रेसवेल को टीम में शामिल किया गया, जबकि कप्तानी का जिम्मा जोस बटलर को मिला है।

रिपोर्ट के अनुसार, एडेन मार्करम 'द हंड्रेड 2026' के शेष मैच नहीं खेल सकेंगे। मार्करम निजी

कारणों के चलते इंग्लैंड में जारी टूर्नामेंट के बीच में ही साथथ अफ्रीका लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैनचेस्टर सुपर जायंट्स सहित कर सकते हैं कि पुरुष टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। एडेन मार्करम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), एसए20 और द हंड्रेड में सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी की तीनों टीमों का हिस्सा हैं। मार्करम ने द हंड्रेड में अब तक कुल 5 मैच खेले हैं, जिसमें 23.40 की औसत के साथ 117 रन बनाए।

बटलर शानदार फॉर्म में

दूसरी ओर, बटलर मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सिर्फ पांच मुकाबलों में 112 की शानदार औसत से 226 रन बनाए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद पहली बार कप्तानी की भूमिका संभालते हुए वह अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। एमएसजी को 'द हंड्रेड 2026' में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल करना पड़ रहा है। उन्होंने अब तक अपने शुरुआती पांच मुकाबलों में से सिर्फ दो जीते हैं। तीन मुकाबलों में इस टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम फिलहाल ज्वाइंट्स टेबल में 10वें पायदान पर है, जिसे नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद कायम रखने के लिए शेष मुकाबलों में जोरदार वापसी करनी होगी।

विश्वकप 2027: क्वालीफायर की तारीखें आई सामने

एजेसी ►► नई दिल्ली

आईसीसी ने अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी ने ये मैच फरवरी और मार्च के बीच करने का शेड्यूल बनाया है। टूर्नामेंट का फॉर्मेट पहले ही बताया जा चुका है और इसके रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन क्वालिफायर के वेन्यू (जगहें) अभी तय नहीं हुए हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी जोरों पर है। यह पक्ता हो गया है कि क्वालिफाइंग मैच लगभग एक महीने तक, 22 फरवरी से 23 मार्च के बीच खेले जाएंगे। इन मैचों से तय होगा कि कौन सी टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेगी। हालांकि वर्ल्ड कप की सही तारीखों का अभी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे और इन देशों के 12 स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे।



ऐसा होगा क्वालिफाइंग फॉर्मेट

क्वालिफाइंग फॉर्मेट की बात करें तो इसमें कुल 10 टीम हिस्सा लेंगी। जीतने वाली टीमों को वनडे वर्ल्ड कप में सीधे एंट्री मिलेगी, जिसमें 14 देश हिस्सा लेंगे। दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों सबसे पहले 'सुपर सीरीज' में हिस्सा लेंगी। इस सीरीज में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम 12 टीमों की लाइनअप में शामिल होगी और वर्ल्ड कप के लिए आगे बढ़ेगी। असल में, सुपर सीरीज को ही वर्ल्ड कप इवेंट का हिस्सा माना जाएगा।

रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों को फायदा

आईसीसी ने तय किया है कि 30 सितंबर 2026 तक आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों सीधे क्वालिफाई करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। मेजबान के तौर पर साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। इसका मतलब है कि कुल 10 टीमों मुकाबला करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों, क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 स्टेडिंग की टॉप चार टीमों और वर्ल्ड कप क्वालिफायर प्ले-ऑफ से चार टीमों।

आईसीसी रैंकिंग

शुभमन-इशान टॉप पर, बाबर आजम को फायदा, वैभव टॉप 50 में बरकरार



एजेसी ►► दुबई

आईसीसी ने अपनी पुरुष क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इन दिनों दुनियाभर में जारी इंटरनेशनल क्रिकेट के मुताबिक पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम को टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में चार स्थान का फायदा हुआ है। जबकि टी20 बल्लेबाजों में इशान किशन और वनडे बल्लेबाजों में शुभमन गिल टॉप पर हैं। वहीं टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी 48वें स्थान पर टॉप 50 में बने हुए हैं।

नीदरलैंड्स के एडवर्ड्स ने लगाई चार स्थान की छलांग

जारी ताजा रैंकिंग में नीदरलैंड्स के विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने वनडे के बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग से 38वें से 34वें स्थान पर जगह बनाई है। जबकि टेस्ट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में बाबर आजम 19वें से 15वें स्थान पर आ गए हैं। दुनिया में इस वक्त टी20 इंटरनेशनल ही नहीं रहा है, इसी कारण उसमें बदलाव नहीं हुए हैं। इशान किशन नंबर 1 बल्लेबाज हैं और राशिद खान गेंदबाजों में नंबर 1 पर काबिज हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भारतीय अव्वल

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में नीदरलैंड्स के ही रूलोफ वान डर मर्त 11 स्थान की छलांग के साथ 74वें से 63वें स्थान पर आ गए हैं। जबकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं। वहीं कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा (14वें, 15वें, 16वें क्रमशः) को श्रीलंका सीरीज से पहले एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 9 स्थान की छलांग के साथ 17वें स्थान पर आ गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में रविंद्र जडेजा टॉप पर हैं। अक्षर पटेल को दो स्थान का नुकसान हुआ और वह 10वें से 12वें पर खिसक गए।

एसए20 : सनराइजर्स से जुड़े मार्श, सुपर जाइंट्स में कुरेन

एजेसी ►► जोहानिसबर्ग

ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श एसए20 में पदार्पण करके तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से जुड़ेंगे जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप के पास किंवटोन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जोर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टम्ब जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं कुरेन इंग्लैंड के अपने साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे। पिछली उपविजेता प्रिवोरिया केपिटल्स को शीर्षक्रम में फिल साल्ट और ऑस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट



जैसे बल्लेबाज मिल गए हैं। उनके पास डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी हैं।

विल जैक्स अब एमआई केपटाउन टीम में

इंग्लैंड के हरफनमौला विल जैक्स अब केपिटल्स की जगह एमआई केपटाउन टीम में होंगे। वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं और द हंड्रेड में एमआई लंदन टीम का हिस्सा हैं। डरबन सुपर जाइंट्स और पार्ल रॉयल्स ने नीलामी से पहले अपने 19 खिलाड़ियों की टीम पूरी कर ली है। बाकी चार टीमों के लिए 19 स्थान उपलब्ध हैं।

सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज : रैपिड मुकाबलों में चली सटीक चालें

शीर्ष पर प्रज्ञानानंदा, हासिल किए 18 में से 12 अंक

एजेसी ►► सेंट लुइस

ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता के रैपिड वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 में से 12 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इसके साथ ही वर्ष के अंत में होने वाले 'ग्रेड शतरंज टूर (जीसीटी)' फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें भी कायम रखी हैं।

विश्व चैंपियनशिप 2026 की दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानानंदा ने 9 दौर के रैपिड मुकाबलों में बेहतरीन तकनीक, सटीक चालों और जीत के जज्बे का परिचय दिया। उन्हें हालांकि के नौवें और अंतिम दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जोर्डन वान फोरेस्ट से हार



का सामना करना पड़ा, फिर भी वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे। उन्होंने उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव (11 अंक) को पीछे छोड़ा, जो इस वर्ष विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में डी. गुक्ेश को चुनौती देंगे।

पुरस्कार राशि 2 लाख अमेरिकी डॉलर

प्रतियोगिता का परिणाम केवल रैपिड वर्ग से तय नहीं होगा। अब 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे, जिनके बाद कुल विजेता का फैसला होगा। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि दो लाख अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 50 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। प्रज्ञानानंदा ने रैपिड वर्ग में चार जीत (प्रत्येक जीत पर दो अंक), चार ड्रा और एक हार के साथ कुल 12 अंक जुटाए। अब उनका पूरा ध्यान 18 दौर के ब्लिट्ज मुकाबलों पर होगा, जहां प्रत्येक जीत के लिए एक अंक मिलेगा।

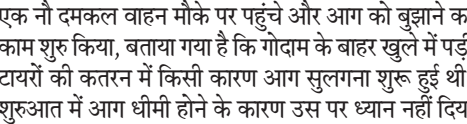
सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर

सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि अमेरिका के वेस्ली सो 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इनके बाद अमेरिका के लेवान अरोनियन, नीदरलैंड के अनीश गिरी, क्यूबा मूल के अमेरिकी लेनिन डोमिंगेज पेरेज और जर्मनी के विन्सेंट कीमर नौ-नौ अंकों के साथ संयुक्त रूप से अगले स्थान पर हैं। दस खिलाड़ियों की राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता के बाद प्रतिष्ठित सिंक्रिफिल्ड कप खेला जाएगा, जो क्लासिकल प्राप्र में आयोजित होगा।

जबलपुर। राजधानी भोपाल के बहुचर्चित दिवशा शर्मा डेथ केस में आरोपित और त्विषा की सास गिरिबाला सिंह की नियमित जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट में सुनवाई की तारीख तय हो गई है। हाईकोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर 10

अगस्त को सुनवाई होगी।
दरअसल, गिरिबाला सिंह ने ट्रायल
कोर्ट से जमानत खारिज होने के

बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ट्रायल कोर्ट ने 25 जुलाई को उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद आरोपित की ओर से हाई कोर्ट में नियमित जमानत के लिए याचिका दायर की गई।



एक नौ दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग को बुझाने के काम शुरू किया, बताया गया है कि गोदाम के बाहर खुले में पड़ी टायरों की कतरन में किसी कारण आग सुलगना शुरू हुई थी। शुरुआत में आग धीमी होने के कारण उस पर ध्यान नहीं दिया

गया, लेकिन धीरे-धीरे लपटें बढ़ते हुए गोदाम तक पहुंच गईं। गोदाम में बड़े पैमाने पर टायर रिमोल्टिंग (रिमाइंडिंग) का कार्य होता है और और बड़ी मात्रा में टायर व अन्य खराबशाली सामग्री रखी थी। कर्मचारियों ने अचानक स्तर पर पानी और बालू की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण सफलता नहीं मिल सकी।

धुंध से घिरा इलाका- आग की भयावहता को देखते हुए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर एकत्र हो गए। पूरे क्षेत्र में घना काल धुआं फैलने से आसपास का वातावरण प्रभावित हो गया। दमकल विभाग की टीम ने लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। अधिकारियों के मुताबिक आग लगने के बादतकिक कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। फिलहाल आग लगने की वजह की जांच की जा रही है और नुकसान का आंकलन भी किया जा रहा है।

जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत नेताजी सुभाषचंद्र बोस चिकित्सक महाविद्यालय (मैडिकल कॉलेज) की केजुअली में रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान रजिडेंट डॉक्टरों के साथ अभद्रता, मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। गढ़ा पुलिस ने हठके आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यकर्ता अदिग्रहता 62 वर्षीय डॉ. आशोष सेठी ने गढ़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस चिकित्सक महाविद्यालय जबलपुर के केजुअली में रात्रिकालीन ड्यूटी के समय तैनात रजिडेंट चिकित्सक के साथ मरीज आरूप पटेल निवासी जय भवानी कालोनी सिहोरा के द्वारा अप्रत्यक्ष आरूप पटेल के परिजन, मित्र सामर्थ गुप्ता, अर्पित आयुष गुप्ता आदि बर्बरपन तिवारी, शिव दारा चिकित्सकी शासकीय कार्य के दौरान शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर गाली गलौज कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। पीडित डाक्टर सचिन दुल, डॉ अमन गुप्ता, डॉ शशिशेखर सिंह, डॉ प्रतीक, के साथ घटना हुयी है। पुलिस ने लिखित शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध धारा 121(1), 132, 191(2), 221 बीएनएस तथा 3/4 भा.प्र.चिकित्सक या चिकित्सा से संबंधित व्यक्तियों की सुरक्षा अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जलपुर। गोरीयाट ब्रिज के पोलीस स्टेशन स्थित संतनगर को निहार स्टेट कॉलोनी के भी बुधवार सुबह नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने कार्रवाई करते हुए अर्ध नग्नितमि नगरीन को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन का कहना है कि संबंधित कॉलोनी अवेयर है, जबकि प्रशासन परिवारित है इस कार्रवाई को रोकने के लिये। संतनगर का बताते हुए अधिकारियों पर मनमाना का आरोप लगाया है। नगर निगम का दस्ता पां जेसीबी मशीनों और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान शिफाका और मुखेश जजक के मकानों को तोड़ दिया गया। प्रशासित मकान मालिकों का कहना है कि उनके मकान पूरी तरह ध्वंश हो गए और उनके पास स्वीकृत नक्शे भी मौजूद हैं। उनका आरोप है कि उनके उन्होंने संतनगर के परले संबंधित दस्तावेज अधिकारियों को दिखाए, लेकिन उन्हें नजरअंदाज करते हुए पुलिस बल को मौजूदगी में मकान दहश दिए गए।

**बदलते मौसम में आपके
सेहत का रखें ख्याल**



वैद्यनाथ
नागपुर
अमरली चिरायता

काढ़ा रेंज के
साथ



**असहनीय
दर्द
सूजन
ऐठन**

में अपनाएँ



**हरारत
बदन दर्द
आँखें
लाल होना**

में अपनाएँ

महाराष्टनादि काढ़ा
(गुग्गुलु युक्त)

- ✓ वात रोगों में दर्द से आराम दिलाने में सहायक
- ✓ जोड़ों के दर्द में उपयोगी
- ✓ पीठ दर्द, कमर दर्द और शारीरिक सूजन आदि में उपयुक्त।



महासुदर्शन काढ़ा
(अमली चिरायता युक्त)

- ✓ हाथपाँव का अकड़ना
- ✓ मुँह का स्वाद कड़वा होना
- ✓ भूख न लगना
- ✓ सिरदर्द व बदन दर्द
- ✓ आँखें लाल होना आदि में उपयुक्त।



मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करें : + 91 844 844 4935

Blend of 8 effective Ayurvedic Oils



Dr. Juneja's

डा. ऑर्थो®

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment



ज्योतिष्मती तेल

जोड़ों में सूजन की समस्या को कम करने में मदद करता है।

गन्धपुरा तेल

जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों के दर्द और गठिया में सहायक।

निर्गुण्डी तेल

नसों के दर्द और जोड़ों के दर्द में फायदेमंद है।

तारपीन तेल

जोड़ों में सूजन और दर्द के लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

पुदीना तेल

पुराने जोड़ों के दर्द की स्थिति में अत्यधिक फायदेमंद है।

कपूर तेल

विभिन्न जोड़ों के दर्द में बहुत उपयोगी है।

तिल तेल

मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करता है।

अलसी तेल

जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन को कम करता है।



Dr. OrthoTM Oil
An Ayurvedic Proprietary Medicine
20% EXTRA
100ml+20ml Extra



Joints Pain



Back Pain



Shoulder Pain



Wrist Pain

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तैलों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को जड़ से कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लंबे समय तक बना रहता है। मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested[✓]
The efficacy and safety.

24x7 Helpline: 7976977777
www.drorthoil.com

नई **TVS XL100**

सिर्फ सौ नहीं,
सौ से बढ़कर.

₹ 48 250*

से शुरु

₹ 3 000*

स्पेशल एक्सचेंज बोनस

एलॉय व्हील्स के साथ
ट्यूबलेस टायर्स

LED हेडलैंप

अब 3 आकर्षक रंगों में उपलब्ध*

ब्लू | ग्रे | रेड

15% अधिक
मायलेज⁺

रकैन करें

* Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick Start variant in Madhya Pradesh. * This exchange scheme is valid across India till 31st March, 2027 and is available exclusively through authorised TVS main dealers (AMDs) and authorised TVS dealers (ADs). * Colours available in TVS XL100 Heavy Duty Alloy variant. + Based on internal test conditions. As compared to BS-IV models. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvs-motor.com मुख्य अधिकृत विक्रेता - जबलपुर: सिंगई टीवीएस, 7970000165, सिंगई टीवीएस बॉच, 7970000191, सिया टीवीएस, 8817400130, 8817400131, नर्मदा टीवीएस, 9644966004, 9644966005, नर्मदा टीवीएस बॉच, 9644966022, बालाघाट: सतपुड़ा टीवीएस, 9977700737, 8463876187, कटनी: के 3 टीवीएस, 9425154874, 9407439013, नरसिंह टीवीएस, 6267750761, 9039053881, मंडला: माँ रेवा टीवीएस, 7000415209, 9424140700, नरसिंहपुर: गाधिया टीवीएस, 07792-236299, 9111023411, अर्चित टीवीएस, 9754238888, सिवनी: अर्पित टीवीएस, 7898723789, 8839694100, शहडोल: मनोज टीवीएस, 9826366798, 07652-230912, वैजना: प्रिंस टीवीएस, 9826789114, 9098634696, अधिकृत विक्रेता जबलपुर: रांझी 9300122757, 9179612850, बेदी नगर 9993233297, गोसालपुर 9977887566, पनागर 9806240088, सिहोरा 9691022227, 9977973525, मझौली 7898404022, 9827620592, कांचघर 9669328111, अधिकृत विक्रेता डिंडोरी: शाहपुर 9433027927, गाखसरई 9424508485, अधिकृत विक्रेता बालाघाट: कटनी 7869691407, अधिकृत विक्रेता कटनी: बहोरीबंद 6260231716, बरही 8349508490, पवाई 9425831675, रीठे 6263283508, शाहनगर 9691091510, स्लीमनाबाद 9981827688, उमरिया 9406531622, विजयराघवगढ़ 8251888084, बड़वारा 8770103194, अमरपुर 7582048076, अधिकृत विक्रेता नरसिंहपुर: बरमान 9713721013, 7987583356, गाखवारा 9406898888, 98266906886, तैदखोड़ा 9993618356, 7049545151, गोलाव 7049371202, करेली 8889601199, 6264308599, 9926618699, 8720017200, अधिकृत विक्रेता मण्डला: विधिया 7389911256, 8989607762, नैनपुर 9340547727, 6268900447, अधिकृत विक्रेता सिवनी: बरघाट 8517819200, 9425436764, छमारा 7566040335, 9827676009, केयलारी 9993110847, 9755290608, अधिकृत विक्रेता शहडोल: अमलाई, 9584046909, अनुपपुर 7000656002, ब्योहारी 8861622002, दुखर 9425182091, धनपुरी 9425135035, गोहपार 7999139906, जयसिंहनगर 9479599510, कोतमा 9424334566, नौरोजाबाद 8319878310, राजेन्द्रग्राम 9770935006, कोतमा 9713923592, मानपुर 9713213171, जैतहरी 8120963160, अधिकृत विक्रेता वैजना: निगरी 9630062852, 8085934464, सरई 7470402846, 7697593980, चितरंगी 9407359862, बरगंगा 8085387283, गोनरई 9827275805.

dentis/hb jab/05/22

